E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 285 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 22 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

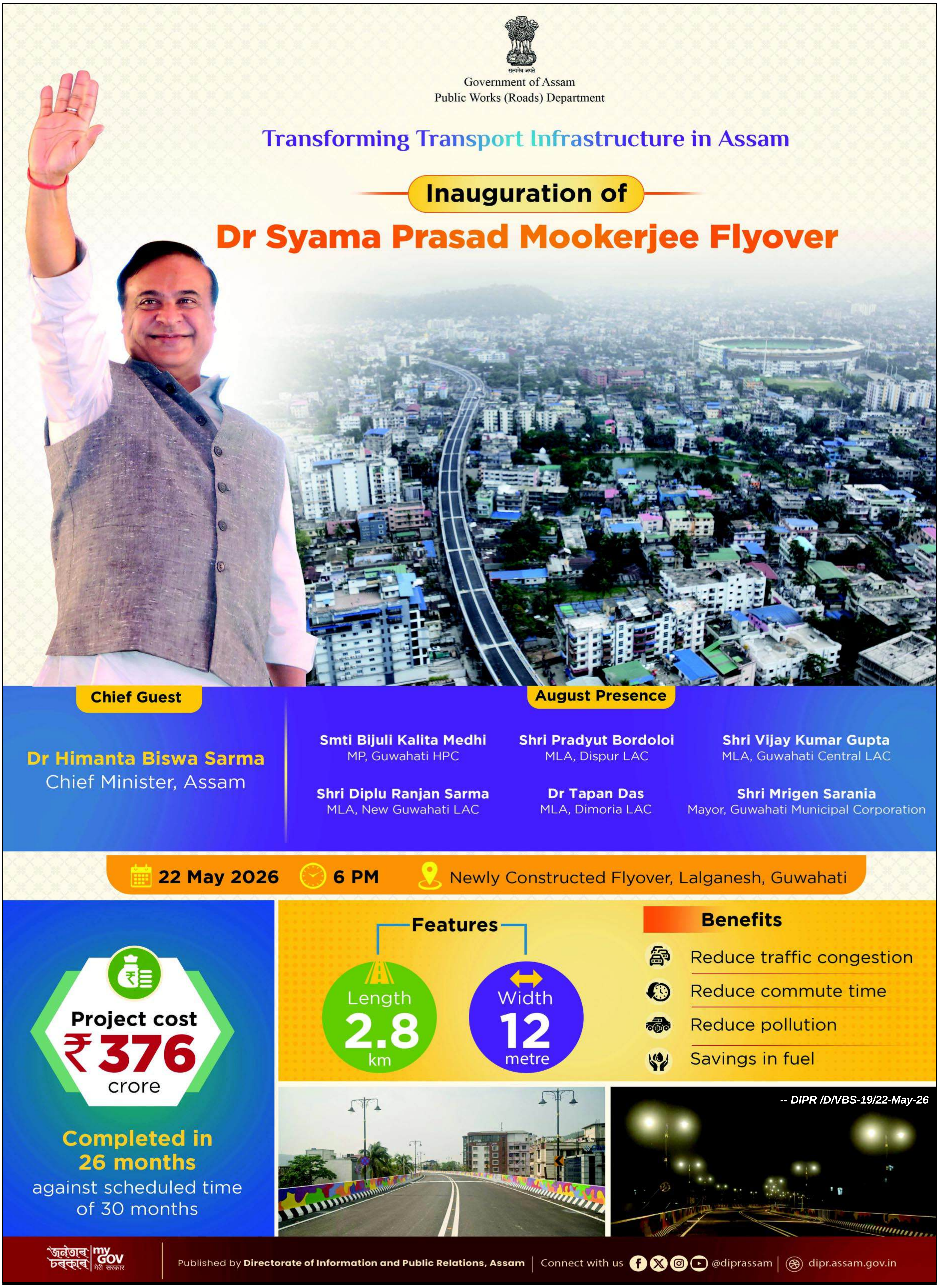

# कामरूप जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक

**गुवाहाटी।** कामरूप जिला सड़क सुरक्षा समिति (डीआरएससी) की मासिक बैठक बुधवार को रंगिया स्थित सह-जिला आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। कामरूप के जिला आयुक्त देब कुमार मिश्र की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कामरूप के एसएसपी सुभाशीष बरुआ, अतिरिक्त जिला आयुक्त आदित्य गोगोई, रंगिया की सह-जिला आयुक्त मृदुस्मिता बोरा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुनम पेगू और सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में पिछली डीआरएससी बैठक के निर्णयों के आधार पर की गई कार्रवाई की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही पूरे जिले में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और जनता की सुविधा के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान रंगिया शहर से जुड़े यातायात के कई मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। समिति ने रंगिया के एनटी रोड पर वाहनों की पार्किंग को विनियमित करने पर चर्चा की, जिसमें व्यस्त सड़कों पर भीड़भाड़ से बचने और दोतरफा (डबल-साइड) पार्किंग को रोकने के लिए एक तरफा (वन-साइड) पार्किंग लागू करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा, शहर क्षेत्र में ई-रिक्शा के बेहतर संचालन, जवाबदेही और सुरक्षित परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए नगर पालिका बोर्ड के तहत उनका अनिवार्य पंजीकरण कराने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। जिला आयुक्त ने यातायात प्रबंधन में सुधार लाने, यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और जिले में वाहनों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वित प्रयासों के महत्व पर बल दिया।

# गुवाहाटी में वरिष्ठ एसीएस अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार, कई ठिकानों पर छापेमारी

**गुवाहाटी (हिंस)।** गुवाहाटी में भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय ने एक वरिष्ठ अधिकारी को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अधिकारी की पहचान लचित कुमार दास के रूप में हुई है, जो भूमि अभिलेख एवं सर्वेक्षण निदेशालय में अतिरिक्त निदेशक के पद पर कार्यरत थे। अधिकारियों के अनुसार, उन्हें 45 हजार की रिश्वत लेते हुए ट्रैप ऑपरेशन के दौरान पकड़ा गया। आरोप है कि भूमि संबंधी एक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के बदले उन्होंने रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद सतर्कता टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी अधिकारी को रिश्वत स्वीकार करते समय गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने अधिकारी से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी अभियान भी चलाया। रुपनगर स्थित उनके कार्यालय में छापेमारी की गई। इसके अलावा बेलतला स्थित आवास और क्वीन गार्डन अपार्टमेंट के जी-ए ब्लॉक में स्थित फ्लैट की भी तलाशी ली गई। जांच एजेंसियां बरामद दस्तावेजों और अन्य सामग्रियों की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में और भी महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं। लचित कुमार दास इससे पहले होजाई में अतिरिक्त उपायुक्त और लखीमपुर में डीसी पद पर भी कार्य कर चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में और भी महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

# कामरूप डीसी ने दिया बाल कल्याण और वैधानिक गोद लेने को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर जोर

**कामरूप (हिंस)।** कामरूप जिले के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र की अध्यक्षता में गुरुवार को अमीनगांव स्थित जिला आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाल कल्याण एवं संरक्षण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बाल कल्याण समिति तथा किशोर न्याय बोर्ड के कार्यों और प्रगति की समीक्षा की गई। बच्चों के संरक्षण और कल्याण के लिए संस्थागत व्यवस्था को और मजबूत करने तथा संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के दौरान वैधानिक गोद लेने की प्रक्रिया के संबंध में व्यापक जनजागरूकता फैलाने और जरूरतमंद बच्चों की देखभाल, संरक्षण एवं पुनर्वास के लिए गोद लेने को महत्वपूर्ण उपाय के रूप में बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई। सुरक्षित, पारदर्शी और कानूनी गोद लेने की प्रक्रिया को लेकर समाज को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। जिला आयुक्त ने संबंधित विभागों और हितधारकों को बाल कल्याण गतिविधियों एवं आधारभूत संरचना से जुड़ी आवश्यकताओं के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य स्तर पर भी बाल संरक्षण, कल्याण और गोद लेने से जुड़े विषयों पर अधिक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता बताई, ताकि योजनाओं और सुरक्षा उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। बैठक में कामरूप के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शुभाशीष बरुवा, कामरूप जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ गोस्वामी, अतिरिक्त जिला आयुक्त गीताश्री लचित एवं आदित्य गोगोई, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पूनम पेगू सहित बाल संरक्षण इकाई और चाइल्ड हेल्पलाइन टीम के अधिकारी उपस्थित थे।

# डायबिटिक फुट केयर पर आधारित पुस्तक का राज्यपाल ने किया लोकार्पण

**गुवाहाटी (हिंस)।** असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने गुरुवार को लोक भवन में डॉ. सुधीर कुमार जैन द्वारा लिखित पुस्तक *डायबीटिक फूट: सम अन्नोन फैक्ट्स* का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि समाज में मधुमेह के बढ़ते मामलों और उससे जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना तथा समय पर चिकित्सकीय उपचार को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक मरीजों, देखभाल करने वालों तथा स्वास्थ्यकर्मियों के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शिका सिद्ध होगी, क्योंकि इसमें डायबिटिक फुट केयर से जुड़ी सटीक, प्रमाण आधारित और सरल जानकारी दी गई है। राज्यपाल ने डॉ. जैन की सराहना करते हुए कहा कि उनके लंबे चिकित्सकीय अनुभवों पर आधारित यह पुस्तक डायबिटिक फुट संक्रमण से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और लोगों में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, उचित उपचार और जागरूकता के माध्यम से लोगों की जान और अंग दोनों को बचाया जा सकता है। उन्होंने स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हुए संस्कृत श्लोक *सर्वे भवन्तु सुखिन:...* का उल्लेख किया और कहा कि यह भारत की सार्वभौमिक कल्याण एवं सामूहिक स्वास्थ्य की प्राचीन भावना को दर्शाता है। राज्यपाल ने उम्मीद जताई कि यह पुस्तक लोगों को निवारक स्वास्थ्य उपाय अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। पुस्तक के लेखक सुधीर कुमार जैन ने कहा कि इलाज से बेहतर बचाव होता है और डायबिटिक फुट से जुड़ी जटिलताओं से बचने के लिए जागरूकता तथा शुरुआती चिकित्सा बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि पुस्तक को असमिया, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में प्रकाशित किया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में राज्यपाल के आयुक्त एवं सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम, श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरूप बर्मन, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय संकाय सदस्य डॉ. बीबी कुकरेजा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

# धुबड़ी : बिलासीपाड़ा में नवनिर्वाचित एजीपी विधायकों के लिए अभिनंदन समारोह आयोजित

**धुबड़ी (विभास)।** जिले की बिलासीपाड़ा शहर में स्थित प्रतिभा बरुवा पांडे प्रेक्षागृह में बिलासीपाड़ा असम गण परिषद(एजीपी) विधान परिषद द्वारा नवनिर्वाचित विधायक श्री जीवेश राय के साथ अभयापुर के विधायक श्री भूपेंद्र राय और बरपेटा का सांसद श्री फनी भूषण चौधरी के लिए एक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में उन्होंने धुबड़ी विधान परिषद को आमंत्रित किया था, जहां धुबड़ी विधान परिषद की ओर से बिलासीपाड़ा से नवनिर्वाचित विधायक को फुलम गामोछा देखकर उन्हें सम्मानित किया। धुबड़ी विधान परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र नारायण भट्टाचार्य के साथ इस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष कृष्ण राय, सचिव हारून इस्लाम और ललित राय सदस्य आयु अली और जिला समिति के सूचना प्रौद्योगिकी सचिव प्रबीर दास इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के बाद समूह ने सर्किट हाउस (आवर्त भवन) मैं अभयापुरी के नवनिर्वाचित विधायक भूपेन राय और बिलासीपाड़ा के पूर्व विधायक एवं असम गण परिषद के केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष प्रशांत कुमार बरुवा के साथ एक विशेष चर्चा की।

# बाक्सा डीसी ने *जन भागीदारी अभियान* के तहत *जन सुनवाई* कार्यक्रमों में हिस्सा लिया

**बाक्सा।** बाक्सा की उपायुक्त, किमनेई चांगसन ने जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 के तहत चलाए जा रहे *जन भागीदारी अभियान* के हिस्से के रूप में, बाक्सा विकास खंड के कई गांवों में आयोजित *जन सुनवाई* कार्यक्रमों का दौरा किया और उनमें हिस्सा लिया। इस अभियान की थीम *सबसे दूर, सबसे पहले* रखी गई है। इस कार्यक्रम के दौरान, उपायुक्त ने स्थानीय निवासियों से बातचीत की और उनकी शिकायतों व चिंताओं को सुना। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे 23 मई तक चलने वाली इस *जन सुनवाई* पहल में सक्रिय रूप से हिस्सा लें, और लोगों को आगे आकर प्रशासन के सामने अपनी शिकायतें रखने के इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। इस पहल के तहत, विभिन्न विभागों के अधिकारी पूरे जिले के गांवों का दौरा कर रहे हैं, ताकि जनता की शिकायतों का समाधान किया जा सके, समस्याओं का त्वरित निवारण सुनिश्चित हो सके और जमीनी स्तर पर सेवा वितरण तंत्र को मजबूत बनाया जा सके। बाक्सा जिले के विभिन्न विकास खंडों में भी इसी तरह के *जन सुनवाई* कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

# धार्मिक महिला समिति बरपेटारोड के तत्वावधान में तीन दिवसीय श्री पुरुषोत्तम अधिकमास महात्म्य कथा संपन्न

**बरपेटारोड।** बरपेटारोड स्थित श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी के पवित्र प्रांगण में धार्मिक महिला समिति, बरपेटारोड के तत्वावधान में दिनांक 18, 19 एवं 20 मई 2026 को आयोजित तीन दिवसीय *श्री पुरुषोत्तम अधिकमास महात्म्य कथा* का दिव्य एवं भक्तिमय आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के मध्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतिदिन दोपहर 3-30 बजे से 5-30 बजे तक आयोजित इस कथा महोत्सव में श्रद्धालु भक्तगणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कथा वाचन का पावन दायित्व कथावाचक पंडित रामदेव पारीक जी द्वारा संपन्न किया गया। इस पावन आयोजन में पंडित विकास शर्मा ने माला एवं मंत्र जाप द्वारा सहयोग प्रदान किया, वहीं पवन शर्मा ने अपने मधुर भजनों की प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में भावविभोर कर दिया। तीनों दिवसीय कथा प्रसंगों में श्रद्धालुओं को पुरुषोत्तम अधिकमास का दिव्य महात्म्य, भक्ति, दान, धर्म, सत्संग एवं मानव जीवन को सार्थक बनाने वाली अमूल्य शिक्षाओं का विस्तृत वर्णन सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कथा के प्रथम दिवस अधिकमास के महत्व, भगवान श्रीहरि की महिमा, सत्संग के प्रभाव, गुरु की महिमा तथा मानव जीवन के उद्देश्य का सुंदर एवं प्रेरणादायी वर्णन किया गया। साथ ही दीपदान, दया, दान एवं धर्म के महत्व को भी विस्तारपूर्वक समझाया गया। द्वितीय दिवस की कथा में पुरुषोत्तम मास में किए जाने वाले व्रत, पूजन, जप, तप एवं दान की महिमा का वर्णन किया गया।

# नलबाड़ी : ढाबों पर पुलिस की कार्रवाई में महिला समेत चार गिरफ्तार

**नलबाड़ी (हिंस)।** असम के नलबाड़ी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप स्थित कई ढाबों और होटलों में कथित अनैतिक गतिविधियों की शिकायतों के बीच पुलिस ने अभियान चलाया। घोगरपार क्षेत्र के एक ढाबे से बीती रात एक महिला समेत चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। जानकारी के अनुसार, नलबाड़ी पुलिस ने जिरनी ढाबा नामक प्रतिष्ठान में छापेमारी की। स्थानीय लोगों की ओर से लंबे समय से ढाबे में अनैतिक गतिविधियां संचालित होने की शिकायत की जा रही थी। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौजूद चार लोगों को गिरफ्तार किया। इधर, राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित कई अन्य होटलों और ढाबों में भी कथित रूप से अनैतिक गतिविधियां चलने के आरोप सामने आए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है तथा आसपास के अन्य प्रतिष्ठानों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है।

# शिवसागर में नकली नोट बनाने की सामग्री जब्त

**शिवसागर (हिंस)।** असम के शिवसागर जिले में पुलिस ने नकली नोट तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद करते हुए दो लोगों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मयदुल इस्लाम के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान की गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि दो व्यक्ति एक बैटरी रिक्शा किराये पर लेकर नकली नोट तैयार करने से संबंधित सामग्री ले जा रहे थे। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने तलातल घर के सामने अभियान चलाकर बैटरी रिक्शा समेत सामग्री को जब्त कर लिया। अभियान के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों की पहचान देरगांव निवासी अर्शाद अली तथा शिवसागर के दरिकापार निवासी बितुल बोरा के रूप में की गई है।

# नगांव में श्रीमद्भागवत कथा में उमड़ी भक्तों की भीड़

**नगांव (निसं)।** पुरुषोत्तम मास में किए जाने वाले दान-पुण्य अक्षय होते है। यहां चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में व्यासपीठ पर विराजमान होकर भागवत कथा मर्मज्ञ परम गौभक्त संजीव कृष्ण ठाकुर ने उक्त उद्गार व्यक्त किए। श्री संजीव कृष्ण ठाकुर ने द्वितीय दिवस की कथा में पांडव चरित्र एंव भगवान शुकदेव आगमन कथा, तृतीय दिवस वामन भगवान प्राकट्य उत्सव, चतुर्थ दिवस भगवान श्रीकृष्ण जन्म एंव और आज पंचम दिवस श्री गिरिराज धरण लीला एंव छप्पन भोग दर्शन के महत्व पर प्रकाश डाला। संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में बीच-बीच में भजन-कीर्तन में भक्तो में उत्साह का संचार होता है और भक्त श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन होकर नाचने लगते है। प्रसंग के आधार पर बीच-बीच में मनोरम सजीव झांकियो से आयोजन स्थल सेठ मेघराज अग्रवाल स्मृति भवन भक्तिमय माहौल में गुंजायमान हो उठता है। चांदगोठिया परिवार के सौजन्य से और श्री श्याम परिवार की व्यवस्था में बुधवार को श्रीकृष्ण जन्म एंव नंदोत्सव से पहले श्री संजीव कृष्ण ठाकुर ने श्री रामचरित पर प्रकाश डालते हुए कहा रामायण व्यक्ति का निर्माण करता है। अत: रामायण को रोज पढ़ना चाहिए। उन्होंनो मानव चरित्र निर्माण के लिए एक बात ओर कही कि मानव को हमेशा विनर्म भावी होना चाहिए। विन ?म भाव ही हमेशा काम आता है। श्रीकृष्ण जन्म उत्सव में माखन मिश्री का प्रसाद और आज वृहस्पतिवार को छप्पन भोग का प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन स्थल श्रोताओ से खचाखच भरा रहता है। होजाई, भुरागांव, रोहा, लंका, कोठियातुली, जमुनामुख, कामपुर आदि स्थानों से भी श्रोतागण पहुंच कर कथा का श्रवण कर रहे है। भक्तों की मांग पर आधा घंटा समय बढ़ा दिया गया है। कथा अपराह्न तीन से सात बजे तक चल रही है। आयोजन स्थल की व्यवस्था की सभी सराहना कर रहे है। शनिवार की कथा समापन होगी। इस दिन कथा सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगी। तत्पश्चात हवन-पूजन और पूर्णाहुति के साथ कथा सम्पन्न होगी। आज की कथा विश्राम से पूर्व नगांव जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा भी श्री मद्भागवत कथा में पधारकर व्यासपीठ से आशीर्वाद लिया। संजीव कृष्ण ठाकुर ने दुपट्टा पहनाकर जिला आयुक्त का अभिनंदन किया।

# रायमोना नेशनल पार्क के पास अवैध हथियारों के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

**कोकराझाड़ (विभास)।** खुफिया सूचना के आधार पर की गई संयुक्त कार्रवाई में सुरक्षा बलों और वन विभाग की टीम ने अवैध हथियारों के साथ एक व्यक्ति को दबोचने में बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई सनफान रेंज, रायमोना नेशनल पार्क के कर्मियों और फेबसु की *एफ कंपनी* के जवानों द्वारा संयुक्त रूप से की गई। मिली जानकारी के अनुसार, भारत-भूटान सीमा पिलर संख्या 134 से करीब 14.5 किलोमीटर दूर स्थित ब्रह्मपुर गांव में दोपहर करीब 03-30 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया। तलाशी लेने पर उसके पास से अवैध रूप से निर्मित हथियार बरामद हुए। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान हितो नार्जारी (उम्र लगभग 50 वर्ष), पिता स्वर्गीय मोजेन नार्जारी के रूप में हुई है। वह ब्रह्मपुर गांव (थाना कचुगांव, जिला कोकराझाड़) का रहने वाला है। सुरक्षा बलों ने आरोपी के पास से एक देसी कट्टा, एक लकड़ी का बट (बिना बैरल के) और एक टॉर्च जब्त किया है। पकड़े गए आरोपी और जब्त किए गए हथियारों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सनफान रेंज, रायमोना नेशनल पार्क के रेंजर को सौंप दिया गया है। वन विभाग और पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन हथियारों का इस्तेमाल शिकार के लिए किया जाना था या किसी अन्य आपराधिक गतिविधि के लिए।

# कोकराझाड़ : नाबालिग हिंदू लड़की के साथ लव जिहाद के आरोप में मुस्लिम युवक गिरफ्तार

**कोकराझाड़ (विभास)।** कोकराझाड़ जिले के दोतामा इलाके से एक कथित *लव जिहाद* का मामला सामने आया है, जिसने इलाके में तनाव पैदा कर दिया है। अखिल कोच राजवंशी छात्र संघ के सदस्यों ने एक विवाहित मुस्लिम युवक को एक नाबालिग हिंदू लड़की के साथ संदिग्ध हालत में पकड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोतमा क्षेत्र में एक वाहन के भीतर युवक और नाबालिग लड़की को देखा गया। मौके पर मौजूद लोगों और एकेआरएसयू के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि दोनों आपत्तिजनक स्थिति में थे। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। आरोपी को पुलिस के हवाले किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने हस्तक्षेप किया और दोनों को हिरासत में ले लिया। बाद में, भीड़ ने आरोपी युवक को पकड़कर स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित लड़की और आरोपी के बयानों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। घटना के बाद से क्षेत्र में स्थानीय समुदायों के बीच खासी नाराजगी देखी जा रही है और संगठनों ने कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

# बीआरओ ने बिहार के भागलपुर में विक्रमशिला सेतु पर 170 फीट लंबा बेली ब्रिज सफलतापूर्वक लांच किया

**भागलपुर।** विक्रमशिला सेतु, गंगा नदी पर बना एक महत्वपूर्ण 4.88 किमी लंबा पुल है जो एनएच-33 (पुराना एनएच-80) और एनएच-31 को जोड़ता है; यह भागलपुर और आस-पास के क्षेत्रों के लिए जीवनरेखा का काम करता है। पुल के 34-मीटर लंबे नेविगेशनल स्पैन (हिस्से) के ढह जाने के बाद, यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया था, जिससे लोगों की आवाजाही और जरूरी सेवाओं के परिवहन पर गंभीर असर पड़ा था। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, बिहार सरकार ने हल्के वाहनों और जरूरी सेवाओं की आवाजाही को आसान बनाने के लिए, आपातकालीन पुल समाधानों की तैनाती हेतु रक्षा मंत्रालय से तत्काल सहायता का अनुरोध किया। रक्षा मंत्रालय ने मरम्मत और बहाली का काम सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को सौंपा। इसके परिणामस्वरूप, बीआरओ ने कनेक्टिविटी बहाल करने और उत्तरी व दक्षिणी बिहार की प्रभावित आबादी को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए, युद्धस्तर पर इन बेली ब्रिजों को स्थापित करने का चुनौतीपूर्ण कार्य अपने हाथ में लिया है। *प्रोजेक्ट स्वस्तिक* की निर्माण टीम ने बहुत कम समय में 170 फीट लंबा बेली ब्रिज तैयार करके लांच कर दिया है। वर्तमान में लांच किए गए पुल के अलावा, राज्य सरकार के अनुरोध पर, विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त हिस्सों पर दो और बेली ब्रिज भी जल्द ही स्थापित किए जाएंगे। श्री जितेंद्र प्रसाद, वीएसएम, अतिरिक्त महानिदेशक सीमा सड़क (पूर्वी), ने 20 मई 2026 को पुल स्थल का दौरा किया। अपने निरीक्षण दौरे के दौरान, श्री जितेंद्र प्रसाद, वीएसएम ने 170 फीट लंबे बेली ब्रिज के निर्माण की तेज गति पर संतोष व्यक्त किया और राज्य प्रशासन को शेष दो पुलों के भी शीघ्र निर्माण का आश्वासन दिया। पुल स्थल का दौरा करने से पहले, एडीजी ने पटना में आरसीडी के सचिव श्री पंकज कुमार पाल के साथ भी बातचीत की। इस बैठक में श्री जितेंद्र कुमार,एमडी बीआरपीएनएनएत और श्री बिपिन कुमार चंद, अधीक्षण अभियंता, बीआरओ भी उपस्थित थे। राज्य प्रशासन ने भी सीमा सड़क संगठन के समय पर हस्तक्षेप और तेज गति से किए गए निर्माण कार्यों के लिए गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। कनेक्टिविटी की बहाली से परिवहन संबंधी कठिनाइयां काफी हद तक कम होने, जरूरी सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित होने और स्थानीय आबादी को बहुत जरूरी राहत मिलने की उम्मीद है। यह उपलब्धि एक बार फिर बुनियादी ढांचे से जुड़ी आपात स्थितियों में त्वरित और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने की सीमा सड़क संगठन की क्षमता को उजागर करती है और राष्ट्र-निर्माण के प्रति संगठन की अटूट प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है।

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील



वर्ष : 12 | अंक : 285 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 22 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

जयपुर : नीट पेपर लीक के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस से की धक्का-मुक्की पेज 5
वेतन का हिस्सा म्यूचुअल फंड में, सेबी का अहम प्रस्ताव, वितरकों को भी यूनिटों... पेज 6
अफगानिस्तान सीरीज : प्रिंस, गुरनूर और हर्ष को पदार्पण करा इंतजार पेज 7
स्वस्थ शरीर है सबसे बड़ा खजाना पेज 8

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

## सुप्रभात

*गिरीबी विनम्रता की परीक्षा और मित्रता की कसौटी है।*

-हैजलिट

# इबोला : भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन टला, दिल्ली में होना था कार्यक्रम

**नई दिल्ली।** दक्षिण अफ्रीका के कुछ भागों में इबोला वायरस से बढ़ते प्रकोप को देखते हुए भारत और अफ्रीकी संघ के बीच होने वाले शिखर सम्मेलन को रद कर दिया गया। यह आयोजन 28 मई 2026 को नई दिल्ली में होना था। केंद्र सरकार ने गुरुवार को जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी। सरकार के अनुसार, अफ्रीका के कई हिस्सों में घातक इबोला वायरस के मामले सामने आए हैं। हाल ही में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) के साउथ किवु प्रांत में नए मामले दर्ज किए गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इस प्रकोप को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया है। दोनों पक्षों ने स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखते हुए सम्मेलन को बाद की तारीख पर करने का निर्णय लिया। नई तिथियां आपसी विचार-विमर्श के बाद तय की जाएंगी। भारत और अफ्रीकी संघ की अध्यक्ष और अफ्रीकी संघ आयोग के बीच हुई चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने अफ्रीका में सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत करने, अफ्रीका सीडीसी और -शेष पृष्ठ छह पर

## सरकारी स्कूलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की जरूरत : उपराष्ट्रपति

**नई दिल्ली (हि.स.)।** उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि सरकारी स्कूलों को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए और उनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने सांसदों और विधायकों से भी सरकारी स्कूलों के सुदृढ़ीकरण और सुधार पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। उपराष्ट्रपति ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले से आए सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल से उपराष्ट्रपति भवन में मुलाकात के दौरान यह बात कही। प्रतिनिधिमंडल में 41 छात्र-छात्राएं शामिल थे, जिनमें 27 छात्राएं थीं। इन विद्यार्थियों ने कक्षा 10 की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और वे शैक्षणिक भ्रमण पर दिल्ली आए हुए हैं। उपराष्ट्रपति ने गरीब और वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले सरकारी स्कूलों के छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण पर दिल्ली लाने की पहल की सराहना करते हुए -शेष पृष्ठ छह पर

## विदेश से लौटते ही पीएम मोदी ने बुलाई बड़ी बैठक

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी गुरुवार को नई दिल्ली के *सेवा तीर्थ* में मंत्रिपरिषद की महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह बैठक इस साल की मंत्रिपरिषद की पहली बैठक है, जिसमें कैबिनेट के प्रमुख सदस्य शामिल होंगे। बैठक में शासन, नीतियों के क्रियान्वयन की समीक्षा के साथ-साथ कैबिनेट फेरबदल की अटकलें भी चर्चा का विषय बन सकती हैं। शाम 4:30 बजे शुरू होने वाली यह बैठक चार से पांच घंटे तक चलने की संभावना है। सभी कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और अन्य राज्य मंत्री इसमें हिस्सा लेंगे। सूत्रों के अनुसार, बैठक का मुख्य फोकस विभिन्न मंत्रालयों के कामकाज, प्रमुख निर्णयों, उनके परिणामों और आने वाले महीनों की प्राथमिकताओं पर होगा। -शेष पृष्ठ छह पर

## वायरस को लेकर हवाई अड्डे पर अलर्ट, केंद्र ने जारी किए विशेष निर्देश

**नई दिल्ली (हि.स.)।** केंद्र सरकार ने इबोला वायरस को लेकर हवाई अड्डों पर विशेष एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों में यदि इबोला से जुड़े लक्षण दिखाई दें तो तुरंत कार्रवाई की जाए। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत निदेशालय स्वास्थ्य सेवाएं (डीजीएचएस) ने गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए जारी परामर्श में यात्रियों को स्पष्ट रूप से बताया है कि उच्च जोखिम वाले देश कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान से आने वाले या वहां से होकर गुजरने वाले यात्रियों को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। डीजीएचएस के परामर्श में बताया गया कि यदि किसी यात्री में बुखार, कमजोरी या थकान, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, दस्त या अज्ञात रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई दें तो उसे तुरंत एयरपोर्ट स्वास्थ्य अधिकारी या -शेष पृष्ठ छह पर

## विस सत्र के पहले दिन विधायक के रूप में मुख्यमंत्री ने ली शपथ

**गुवाहाटी (हि.स.)।** असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को 16वीं असम विधानसभा के नए सत्र के पहले दिन विधायक के रूप में शपथ ग्रहण की। उन्हें प्रोटेम स्पीकर चंद्र मोहन पटवारी ने शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री ने असमिया भाषा में शपथ ली। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रोटेम स्पीकर ने सभी नवनिर्वाचित विधायकों को बताया कि वे अपनी पसंद की किसी भी मान्यता प्राप्त भाषा में शपथ ले सकते हैं तथा शपथ की प्रति विधानसभा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री के बाद विभिन्न दलों के विधायकों ने असमिया, बांग्ला, बोड़ो और संस्कृत भाषा में शपथ ग्रहण की, जिससे -शेष पृष्ठ छह पर

## सत्र के पहले दिन विधायक विजय कुमार गुप्ता ने संस्कृत में ली शपथ

**गुवाहाटी (हि.स.)।** मध्य गुवाहाटी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक विजय कुमार गुप्ता ने गुरुवार को असम विधानसभा के 16वें सत्र के पहले दिन संस्कृत में शपथ ग्रहण किया। उन्होंने इस अवसर को अपने राजनीतिक जीवन का गौरवपूर्ण क्षण बताया। शपथ ग्रहण के बाद विधायक ने कहा कि नवगठित मध्य गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि के रूप में पहली बार सदन में उपस्थित होना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता के प्रेम, आशीर्वाद और विश्वास को साथ लेकर वह -शेष पृष्ठ छह पर

*असम विधानसभा को मिला नया अध्यक्ष*

## दूसरी बार स्पीकर बने भाजपा नेता रंजीत कुमार दास

**गुवाहाटी।** असम विधानसभा को गुरुवार को नया अध्यक्ष मिल गया। चार बार के भाजपा विधायक रंजीत कुमार दास को सर्वसम्मति से 16वीं असम विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया। प्रोटेम स्पीकर चंद्र मोहन पटवारी ने सदन में घोषणा करते हुए बताया कि रंजीत कुमार दास के समर्थन में तीन नामांकन दाखिल किए गए थे। उनके खिलाफ किसी अन्य विधायक ने नामांकन दाखिल नहीं किया, जिसके बाद उन्हें निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। यह दूसरी बार है जब रंजीत कुमार दास असम विधानसभा के अध्यक्ष बने हैं। इससे पहले 2016 में भाजपा की पहली सरकार बनने के दौरान भी उन्होंने स्पीकर पद की जिम्मेदारी संभाली थी। उस समय राज्य में -शेष पृष्ठ छह पर

## *राज्य सरकार ने मवेशी तस्करी पर कार्रवाई तेज की, 856 गिरफ्तार*

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार ने मवेशी चोरी, मवेशी तस्करी और अवैध गोमांस व्यापार के खिलाफ *शून्य सहिष्णुता* का रुख अपनाया है, जिसके तहत पुलिस ने इस साल जनवरी से अब तक 856 लोगों को गिरफ्तार किया है और 4,355 मवेशी बरामद किए हैं। आगामी सप्ताह में होने वाले एक त्योहार से पहले एक्स पर एक पोस्ट में विवरण साझा करते हुए, शर्मा ने कहा कि असम भर में अवैध पशु परिवहन और तस्करी गतिविधियों को रोकने के लिए राज्य प्रशासन हाई अलर्ट पर है। मवेशियों की तस्करी के प्रति हमारी जीरो टॉलरेंस नीति है। असम में जनवरी 2026 से अब तक हमने 856 मवेशी चोरों को गिरफ्तार किया है और 2,980 किलोग्राम से अधिक गोमांस जब्त किया है। अगले सप्ताह आने वाले त्योहार से पहले हम पूरी तरह सतर्क हैं, मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा। मुख्यमंत्री द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, असम पुलिस ने इस वर्ष 1 जनवरी से 19 मई के बीच मवेशी चोरी और तस्करी से संबंधित 425 मामले दर्ज किए हैं। इस कार्रवाई के दौरान, अधिकारियों ने राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित चोरी और अवैध परिवहन नेटवर्क से कथित तौर पर जुड़े 4,355 मवेशी भी बरामद किए। पुलिस ने विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी और प्रवर्तन अभियानों के दौरान 2,980 किलोग्राम से अधिक गोमांस जब्त किया। हाल के वर्षों में राज्य सरकार ने सीमा पार मवेशी तस्करी और संगठित चोरी गिरोहों पर -शेष पृष्ठ छह पर

## मणिपुर में 67 हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद, चार गिरफ्तार

**इंफाल (हि.स.)।** मणिपुर पुलिस और संयुक्त सुरक्षा बलों ने राज्य में हथियारों की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 67 हथियारों और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है। इस अभियान के दौरान प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूएनएलएफ (पी) से जुड़े चार आरोपितों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा गुरुवार को जारी बयान के अनुसार, 20 मई को सुरक्षा एजेंसियों को लामशांग क्षेत्र में लूटे गए हथियारों और गोला-बारूद की बिक्री की कोशिशों की विश्वसनीय सूचना मिली थी। इसके बाद लामशांग थाना क्षेत्र के लामदेंग इलाके में आज विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान -शेष पृष्ठ छह पर

## धुबड़ी में बकरीद के दौरान मवेशियों के वध पर लगा प्रतिबंध

**गुवाहाटी।** धुबड़ी जिला प्रशासन ने गुरुवार को कहा कि आगामी ईद-उज-जुहा उत्सव के दौरान जिले में कहीं भी पशुओं के वध की अनुमति नहीं दी जाएगी, क्योंकि असम पशु संरक्षण अधिनियम, 2021 के प्रावधानों के तहत प्रमाणित वधशालाओं का अभाव है। यह घोषणा 28 मई को होने वाले ईद-उल-जुहा समारोह से पहले धुबड़ी स्थित जिला आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित एक तैयारी बैठक के दौरान की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए, जिला आयुक्त मेघा निधि दहल ने सभी संबंधित विभागों को जिले भर में उत्सवों का सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। असम पशु संरक्षण अधिनियम, -शेष पृष्ठ छह पर

## शिक्षा मंत्री को हटाए जाने तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा : राहुल गांधी

**नई दिल्ली (हि.स.)।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में राजस्थान कांग्रेस द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान वाटर कैनन से भीड़ को तितर-बितर करने पर कहा कि जब तक सरकार शिक्षा मंत्री को पद से नहीं हटाती तब तक कांग्रेस रुकेगी नहीं। ऐसे बल प्रयोग से वह लोग डरने वाले नहीं हैं। राहुल गांधी ने गुरुवार को राजस्थान कांग्रेस के प्रदर्शन करते कार्यकर्ताओं को वाटर कैनन से -शेष पृष्ठ छह पर

## देश में तेजी से सड़क यात्रा का स्वरूप बदला : गडकरी

**नई दिल्ली (हि.स.)।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश में तेजी से विकसित हो रहे ग्रीन एक्सप्रेस-वे और नियंत्रित प्रवेश वाले राजमार्गों के कारण सड़क यात्रा का स्वरूप पूरी तरह बदल रहा है। उन्होंने कहा कि मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे बनने के बाद दोनों शहरों के बीच विमान सेवाएं लगभग बंद हो गई थीं और अब दिल्ली-देहरादून तथा दिल्ली-जयपुर मार्ग पर भी ऐसी स्थिति बन रही है, क्योंकि सड़क मार्ग से यात्रा समय काफी कम हो गया है। नितिन गडकरी ने अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स इन इंडिया (एमचैम) के वार्षिक -शेष पृष्ठ छह पर

## पश्चिम बंगाल में 20 जून तक तैनात रहेंगी 500 कंपनी केंद्रीय बल

**कोलकाता (हि.स.)।** पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद की स्थिति पर नजर रखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य में आगामी 20 जून तक 500 कंपनी केंद्रीय बल तैनात रखने का निर्णय लिया है। इस संबंध में राज्य की नई सरकार को भी औपचारिक रूप से सूचित कर दिया गया है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि चुनाव बाद कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार ने 16 मई को केंद्र को पत्र भेजा था। राज्य सरकार ने अक्तूबर तक 500 कंपनी केंद्रीय बल की तैनाती बनाए रखने का अनुरोध किया था। हालांकि, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने फिलहाल 20 जून तक ही बलों की तैनाती जारी रखने का फैसला किया है। अधिसूचना के अनुसार राज्य में 200 कंपनी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), 150 कंपनी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), 50 कंपनी केंद्रीय -शेष पृष्ठ छह पर

## फलता पुनर्मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न

**कोलकाता (हि.स.)।** पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले की फलता विधानसभा सीट पर गुरुवार को हुआ पुनर्मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। निर्वाचन आयोग के अनुसार, शाम पांच बजे तक 86.11 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। वैसे वोटिंग शाम 7:00 बजे तक हुई है इसलिए यह आंकड़ा और अधिक बढ़ने की संभावना है। दिन भर मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं और तेज गर्मी व उमस के बावजूद लोगों में मतदान को लेकर भारी उत्साह बना रहा। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि दोपहर तीन बजे तक ही 74.10 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसके बाद अंतिम दो घंटों में भी बड़ी संख्या में मतदाता बूथों पर पहुंचे, जिसके चलते मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। शाम तक कहीं से किसी गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली थी। फलता विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराया गया। इनमें 261 मुख्य और 24 सहायक मतदान केंद्र शामिल थे। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए थे। केंद्रीय बलों की लगभग 35 कंपनियां तैनात की गई थीं, जबकि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 30 त्वरित प्रतिक्रिया दल सक्रिय रखे गए थे। प्रत्येक बूथ पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के आठ जवान तैनात किए गए थे। निर्वाचन आयोग ने इस बार निगरानी व्यवस्था को भी बेहद सख्त रखा। सभी मतदान केंद्रों के भीतर दो-दो वेब कैमरे तथा बाहर एक कैमरा लगाया गया था। मतदान प्रक्रिया की लाइव वेबकास्टिंग जिला निर्वाचन अधिकारी और मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से की गई। कई संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी भी रखी गई। हालांकि, मतदान के शुरुआती चरण में तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार जहांगिर खान के घर के पास स्थित कुछ बूथों पर पार्टी एजेंटों की अनुपस्थिति की खबर सामने आई थी। बताया गया कि कम से कम दो बूथों पर तृणमूल एजेंट -शेष पृष्ठ छह पर

संपादकीय

## तेल संकट के विरोधाभास

**बुलढाणा** (महाराष्ट्र) में किसान धरने पर बैठ गए हैं। उन्हें पर्याप्त डीजल नहीं मिल पा रहा है। बिन डीजल के खेती करना नामुमकिन है। किसी जगह लोगों में मारपीट की नौबत आ गई है। एक जगह ट्रक, ट्रैक्टर, ट्रॉली और अपने-अपने डिब्बे, ड्रम लिए लोगों की लंबी-लंबी कतार लगी है। किसान पेट्रोल पंप के पास ही रात गुजारने, सोने को विवश हैं, लिहाजा मच्छरदानी तान कर बंदोबस्त कर रहे हैं। कोई पेट्रोल पंप ही बंद कर दिया गया है। तख्ती टांग दी गई है-पेट्रोल खत्म है और डीजल यहां नहीं बिकता। यह भारत देश की औसत तस्वीर है, हकीकत है, लेकिन केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी दावा कर रहे हैं कि देश में कच्चे तेल, नेचुरल गैस, रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। ऐसे विरोधाभास में कब तक जिएगा आम भारतीय? कुछ आंकड़े गौरतलब हैं। इंडियन ऑयल कंपनी ने 95,000 करोड़ रुपए से अधिक, भारतीय पेट्रोलियम ने 65,000 करोड़ रुपए से अधिक, हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने 48,000 करोड़ से अधिक और ओएनजीसी ने 1.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के मुनाफे कमाए हैं। आम उपभोक्ता को कितने सस्ते पेट्रोल-डीजल और एलपीजी मुहैया कराए गए? सरकार इस संदर्भ में बिल्कुल खामोश है। अलबत्ता पेट्रोलियम मंत्री जरूर रुदनावस्था में कहते रहे हैं कि अब भी तेल कंपनियों को रोजाना 750 करोड़ रुपए का घाटा है। पेट्रोल-डीजल के दाम जितने बढ़ाए गए हैं, उससे तो कंपनियों के नुकसान की 15 फीसदी ही भरपाई होगी। यदि पेट्रोल-डीजल 10 रुपए प्रति लीटर महंगे किए जाएंगे, तो घाटे की 50 फीसदी भरपाई हो सकती है। जब पेट्रो पदार्थ 17-18 रुपए महंगे होंगे, तो तेल कंपनियों का मुनाफा शुरू हो सकता है। आखिर ये मुनाफे किसके लिए हैं? क्या इनका एक हिस्सा आम उपभोक्ता से साझा नहीं करना चाहिए। जब देश में 70-72 डॉलर प्रति बैरल कच्चा तेल आ रहा था, तब भी कंपनियों ने पेट्रो पदार्थों के खुदरा दाम क्यों नहीं घटाए थे? ये भारत की सार्वजनिक उपक्रम वाली कंपनियां हैं, जो करदाता और शेयरधारक के पैसे से चलती हैं। किसी लाला की दुकानदारी नहीं है। बहरहाल भारत में तेल-संकट का दौर है और एक बड़ी तेल कंपनी करीब 2 लाख करोड़ रुपए अमरीका में निवेश करेगी! आपदा में भारतीय कंपनी अपने देश में नहीं, विदेश में निवेश करेगी, इससे कुरूप और भद्दा विरोधाभास क्या हो सकता है? इसी तरह दवाएं बनाने वाली एक बड़ी कंपनी भी करीब 2 लाख करोड़ रुपए अमरीका में ही निवेश करेगी। यह कैसा राष्ट्रवाद है? एक और विरोधाभास उल्लेखनीय है। मार्च-अप्रैल में भारत में 1.32 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल आयात किया गया। फिर उसे रिफाइन करके 150 गरीब देशों को 52,826 करोड़ रुपए के पेट्रो पदार्थ निर्यात कर दिए गए। शेष किसी अन्य देश में बेच दिया होगा! सवाल है कि जब देश संकट में है, पेट्रोल-डीजल-गैस के लिए मारामारी है, ऐसी स्थिति में तेल देश के काम आना चाहिए था, लेकिन एक जमात को अपने धंधे और मुनाफे की ही चिंता है। सरकार ने न तो कोई कार्रवाई की है और न ही ऐसे विरोधाभास का खुलासा किया है, लेकिन मीडिया में सब कुछ बेनकाब हो गया। इन मुनाफों के बावजूद देश की सबसे प्रमुख रिलायंस कंपनी विश्व में 106वें स्थान पर है। पहले 100 में कोई भी भारतीय कंपनी नहीं है। बहरहाल चार दिन में पेट्रोल-डीजल के दाम दूसरी बार बढ़ाए गए हैं। सतही तौर पर 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान लगते हैं, लेकिन उनके द्वारा वसूली व्यापक है। हालांकि कुल 4 फीसदी के करीब बढ़ोतरी की गई है। दुनिया में सबसे कम दाम भारत में ही बढ़ाए गए हैं। सरकार ने 16 बार उत्पाद शुल्क बढ़ा कर 42-43 लाख करोड़ रुपए कूटे हैं। यह विपक्ष का आरोप है, लिहाजा हम इसकी पुष्टि नहीं कर सकते। इसी दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का आकलन सामने आया है कि ईरान युद्ध और उससे उपजे संकट, किल्लत के कारण वैश्विक जीडीपी में 500-800 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। यदि युद्ध के समापन की घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप आज ही कर दें और ईरान भी उसे कबूल कर ले, तो भी सामान्य हालात होने में 6 माह से एक साल तक का वक्त लग सकता है। तेल कुओं, रिफाइनरियों आदि के पुनर्निर्माण में तो 3-5 साल लग सकते हैं।

आम उपभोक्ता को कितने सस्ते पेट्रोल-डीजल और एलपीजी मुहैया कराए गए? सरकार इस संदर्भ में बिल्कुल खामोश है। अलबत्ता पेट्रोलियम मंत्री जरूर रुदनावस्था में कहते रहे हैं कि अब भी तेल कंपनियों को रोजाना 750 करोड़ रुपए का घाटा है। पेट्रोल-डीजल के दाम जितने बढ़ाए गए हैं, उससे तो कंपनियों के नुकसान की 15 फीसदी ही भरपाई होगी। यदि पेट्रोल-डीजल 10 रुपए प्रति लीटर महंगे किए जाएंगे, तो घाटे की 50 फीसदी भरपाई हो सकती है। जब पेट्रो पदार्थ 17-18 रुपए महंगे होंगे, तो तेल कंपनियों का मुनाफा शुरू हो सकता है। आखिर ये मुनाफे किसके लिए हैं? क्या इनका एक हिस्सा आम उपभोक्ता से साझा नहीं करना चाहिए। जब देश में 70-72 डॉलर प्रति बैरल कच्चा तेल आ रहा था, तब भी कंपनियों ने पेट्रो पदार्थों के खुदरा दाम क्यों नहीं घटाए थे? ये भारत की सार्वजनिक उपक्रम वाली कंपनियां हैं, जो करदाता और शेयरधारक के पैसे से चलती हैं। किसी लाला की दुकानदारी नहीं है। बहरहाल भारत में तेल-संकट का दौर है और एक बड़ी तेल कंपनी करीब 2 लाख करोड़ रुपए अमरीका में निवेश करेगी!

कुछ अलग

## गूगल के ज्ञानी विद्वान

**आंखों** देखा हमेशा सच नहीं होता। हम कहते हैं पिछले दशक में हमने अभूतपूर्व तरक्की कर ली। दुनिया की ग्यारहवीं आर्थिक महाशक्ति से पहले पांचवीं, फिर चौथी और अब तीसरी आर्थिक महाशक्ति बन जाने की घोषणाओं के करीब आ गए। हम अपने कानों में दिन-रात ढोल बजाते हैं, कि जब आजादी के सौ साल पूरे करेंगे, तो अपना राष्ट्र पूर्णतः विकसित राष्ट्र बन जाएगा। कोई हैरानी न होगी कि यह देश दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बन जाए, अमरीका और चीन को पछाड़ कर। हम फटी जेबों और सस्ते राशन पर पलती अपनी दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के साथ यह घोषणा सुन कर इतरा सकते हैं, लेकिन असली क्या है, और नकली क्या है, कुछ पता नहीं चलता क्योंकि इसके साथ ही पता चलता है कि यहां औसत आदमी की जेब तलाशो तो वह एशिया में ग्यारहवें स्थान पर है। लोगों की खुशहाली जांचने जाओ, तो हमारे पड़ोसी देश भी हमसे आगे नजर आते हैं, कि जिनके आर्थिक रूप से जर्जर होने की घोषणा हम न जाने कब से कर रहे हैं। अभी पिछले दिनों प्रसन्नता सूचकांक निकला, तो पता लगा कि सबसे अधिक अप्रसन्न और अस्वस्थ देशों में से हम भी एक हैं। कामकाज का सूचकांक निकला तो पता चला कि देश की आधी आबादी बिना काम के बैठी है। आज भी घर और खेत में काम करती औरतों को उनकी मेहनत का भुगतान नहीं मिलता, कि 'भई घर का काम है, कर रहे हो। इसके लिए वेतन क्या?' हम अपने देश को युवा देश कहते हैं, क्योंकि इसकी आधी आबादी कामकाज योग्य आयु कोष्ठक में है, लेकिन यथा समय यथोचित काम न मिलने के कारण बुझ गई है। क्यों न अब अपने देश को हम असमय बूढ़े हो गए लोगों का देश कह दें।

### पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें बढ़ती हैं, तब अचानक सरकारों, अधिकारियों और नेताओं को "ईंधन बचत" की चिंता सताने लगती है

# पेट्रोल बचत का ज्ञान, सरकारी गाड़ियों में खानदान

डॉ. प्रियंका सौरभ

टीवी चैनलों पर संदेश चलने लगते हैं, अखबारों में विज्ञापन छपते हैं और मंचों से जनता को समझाया जाता है कि अनावश्यक वाहन प्रयोग बंद करें, कार पूलिंग अपनाएँ, कम दूरी पैदल तय करें और राष्ट्रहित में ईंधन की बचत करें। सुनने में यह सब बहुत आदर्शवादी और जिम्मेदार लगता है, लेकिन जैसे ही आम आदमी सड़क पर उतरता है, उसे इस आदर्शवाद का दूसरा चेहरा दिखाई देने लगता है। एक तरफ आम नागरिक पेट्रोल पंप पर हर बढ़े हुए रुपये का हिसाब लगाता है, दूसरी तरफ सरकारी गाड़ियों का काफिला सत्ता के रुतबे की तरह सड़कों पर दौड़ता दिखाई देता है। जनता को बचत का पाठ पढ़ाने वाले वही लोग अक्सर अपने परिवार की छोटी-छोटी निजी जरूरतों के लिए भी सरकारी गाड़ियों का इस्तेमाल करते देखे जाते हैं। बच्चों को स्कूल छोड़ना हो, पत्नी को बाजार जाना हो, रिश्तेदारों को लाना-ले जाना हो या निजी कार्यक्रम में शामिल होना हो—सरकारी वाहन हर समय सेवा में तैयार रहते हैं।

**देश** में जब भी पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें बढ़ती हैं, तब अचानक सरकारों, अधिकारियों और नेताओं को "ईंधन बचत" की चिंता सताने लगती है। टीवी चैनलों पर संदेश चलने लगते हैं, अखबारों में विज्ञापन छपते हैं और मंचों से जनता को समझाया जाता है कि अनावश्यक वाहन प्रयोग बंद करें, कार पूलिंग अपनाएँ, कम दूरी पैदल तय करें और राष्ट्रहित में ईंधन की बचत करें। सुनने में यह सब बहुत आदर्शवादी और जिम्मेदार लगता है, लेकिन जैसे ही आम आदमी सड़क पर उतरता है, उसे इस आदर्शवाद का दूसरा चेहरा दिखाई देने लगता है। एक तरफ आम नागरिक पेट्रोल पंप पर हर बढ़े हुए रुपये का हिसाब लगाता है, दूसरी तरफ सरकारी गाड़ियों का काफिला सत्ता के रुतबे की तरह सड़कों पर दौड़ता दिखाई देता है। जनता को बचत का पाठ पढ़ाने वाले वही लोग अक्सर अपने परिवार की छोटी-छोटी निजी जरूरतों के लिए भी सरकारी गाड़ियों का इस्तेमाल करते देखे जाते हैं।

बच्चों को स्कूल छोड़ना हो, पत्नी को बाजार जाना हो, रिश्तेदारों को लाना-ले जाना हो या निजी कार्यक्रम में शामिल होना हो—सरकारी वाहन हर समय सेवा में तैयार रहते हैं। तब जनता के मन में स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि आखिर ईंधन बचाने का बोझ केवल आम आदमी के हिस्से में ही क्यों आता है? वास्तव में यह समस्या केवल पेट्रोल या डीज़ल की नहीं है, बल्कि मानसिकता की है। हमारे यहाँ सत्ता और पद को अक्सर सेवा नहीं, विशेषाधिकार समझ लिया जाता है। जैसे ही कोई व्यक्ति बड़े पद पर पहुँचता है, उसके आसपास सुविधाओं का ऐसा घेरा बन जाता है जिसमें सरकारी संसाधनों को निजी जीवन का हिस्सा मान लिया जाता है। सरकारी गाड़ी फिर केवल प्रशासनिक कार्य का माध्यम नहीं रहती, बल्कि प्रतिष्ठा और प्रभाव का प्रतीक बन जाती है। यही कारण है कि कई बार सरकारी वाहन कार्यालय से अधिक परिवार की सुविधाओं के लिए दौड़ते दिखाई देते हैं।

विडंबना देखिए कि जिस देश में करोड़ों लोग रोज़ाना महँगे पेट्रोल के कारण अपनी यात्राएँ सीमित कर रहे हैं, वहाँ जनता के टैक्स से चलने वाली गाड़ियों का निजी उपयोग सामान्य बात मान ली जाती है। आम आदमी अपने बच्चे की फीस भरने और पेट्रोल डलवाने के बीच संतुलन बैठाता है, जबकि सत्ता के गलियारों में सरकारी ईंधन पर पारिवारिक आराम चलता रहता है। यही दृश्य जनता के भीतर असंतोष पैदा करता है, क्योंकि त्याग का उपदेश वही दे रहा होता है जो स्वयं त्याग करने को तैयार नहीं दिखता। इतिहास गवाह है कि समाज केवल भाषणों से नहीं बदलता, उदाहरणों से बदलता है। यदि नेता और अधिकारी वास्तव में ईंधन बचत को लेकर गंभीर हैं, तो सबसे पहले उन्हें स्वयं अपने घर से शुरुआत करनी चाहिए। यदि सरकारी

गाड़ियाँ केवल सरकारी कार्यों तक सीमित हो जाएँ, यदि बच्चों के स्कूल आने-जाने और शॉपिंग जैसी निजी गतिविधियों में उनका प्रयोग बंद हो जाए, तो यह किसी बड़े अभियान से अधिक प्रभावशाली संदेश होगा। जनता वही अपनाती है जो वह अपने नेतृत्व में देखती है। आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि सत्ता और जनता के बीच नैतिक दूरी बढ़ती जा रही है। जब जनता देखती है कि उसे सादगी और बचत का पाठ पढ़ाने वाले लोग स्वयं विलासिता और विशेषाधिकार में जी रहे हैं, तब उसका विश्वास कमजोर होता है। लोकतंत्र केवल कानूनों से नहीं चलता, बल्कि नैतिक विश्वसनीयता से भी चलता है। यदि शासन करने वाले लोग स्वयं नियमों का पालन न करें, तो जनता से अनुशासन की अपेक्षा करना केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है। यह भी सच है कि हर अधिकारी और नेता ऐसा नहीं करता। अनेक लोग ईमानदारी और सादगी से अपना दायित्व निभाते हैं। कई अधिकारी निजी जीवन में सरकारी सुविधाओं का दुरुपयोग नहीं करते और नियमों का पालन करते हैं। लेकिन समस्या यह है कि कुछ लोगों की आदतें पूरी व्यवस्था की छवि खराब कर देती हैं।

जनता को वही दिखता है जो सड़क पर दिखाई देता है—लालबत्ती वाली गाड़ियों का रौब, लंबा काफिला और निजी कामों में सरकारी संसाधनों का खुला उपयोग। सबसे दुखद बात यह है कि सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग को कई बार समाज भी "स्टेटस" मानने लगता है। यदि किसी अधिकारी की पत्नी सरकारी गाड़ी से बाजार जाती दिखाई दे, तो कुछ लोग उसे रुतबे का प्रतीक समझते हैं। यही मानसिकता धीरे-धीरे व्यवस्था को भीतर से खोखला करती है। सरकारी सुविधा सेवा का साधन होनी चाहिए, शान का प्रदर्शन नहीं। आज पर्यावरण संकट और ऊर्जा संकट दोनों हमारे सामने हैं। दुनिया जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है। भारत जैसे विशाल देश में ईंधन की बचत केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। लेकिन कोई भी अभियान तभी सफल होगा जब उसमें समान भागीदारी दिखाई देगी। यदि जनता से कहा जाए कि वह अपनी बाइक कम चलाए, जबकि सत्ता वर्ग निजी कार्यों में सरकारी गाड़ियों का प्रयोग जारी रखे, तो यह संदेश खोखला ही लगेगा। सरकारी वाहनों के उपयोग को लेकर कठोर और पारदर्शी व्यवस्था बननी चाहिए। हर विभाग में वाहन उपयोग का डिजिटल रिकॉर्ड सार्वजनिक होना चाहिए। यह स्पष्ट होना चाहिए कि कौन-सी गाड़ी कब और किस कार्य के लिए गई। निजी उपयोग पाए जाने पर आर्थिक दंड और प्रशासनिक कार्रवाई दोनों होनी चाहिए। तकनीक के इस युग में यह कोई कठिन काम नहीं है। कठिन केवल इच्छाशक्ति है।

इसके साथ ही समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। केवल नेताओं और अधिकारियों की आलोचना कर देना पर्याप्त नहीं है। आम नागरिकों में भी दिखावे और अनावश्यक वाहन प्रयोग की प्रवृत्ति बढ़ी है। छोटी दूरी के लिए भी वाहन निकालना अब आदत बन चुका है। लेकिन नेतृत्व की जिम्मेदारी इसलिए अधिक होती है क्योंकि वही समाज की दिशा तय करता है। यदि ऊपर अनुशासन होगा तो उसका प्रभाव नीचे तक अवश्य पहुँचेगा। दरअसल लोकतंत्र में सबसे बड़ा नैतिक बल उदाहरण का होता है। जब जनता देखती है कि कोई नेता सादगी से जीवन जी रहा है, अनावश्यक सुविधाओं से दूर है और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग नहीं करता, तो उसके प्रति सम्मान स्वतः बढ़ जाता है। लेकिन जब वही नेता मंच से बचत की बात करे और उसके परिवार की रोजमर्रा की सुविधा सरकारी पेट्रोल पर चले, तब शब्दों की विश्वसनीयता समाप्त हो जाती है।

यह प्रश्न केवल ईंधन का नहीं, बल्कि टैक्स देने वाले नागरिक के सम्मान का भी है। जनता का पैसा जनता की सेवा के लिए है, किसी परिवार की निजी सुविधा के लिए नहीं। लोकतंत्र में सरकारी गाड़ी किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं होती, बल्कि जनता की ओर से दी गई जिम्मेदारी होती है। जब यह जिम्मेदारी विशेषाधिकार में बदल जाती है, तब व्यवस्था और जनता के बीच विश्वास का संकट पैदा होता है। आज आवश्यकता बड़े-बड़े नारों की नहीं, छोटे लेकिन ईमानदार कदमों की है। यदि नेता और अधिकारी सचमुच ईंधन बचत को लेकर गंभीर हैं, तो उन्हें अपने परिवारों के निजी उपयोग के लिए सरकारी गाड़ियों का प्रयोग बंद करना चाहिए। इससे न केवल ईंधन की बचत होगी, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाएगा कि त्याग केवल आम आदमी के लिए नहीं, सत्ता के लिए भी आवश्यक है। देश को भाषण देने वाले नहीं, उदाहरण प्रस्तुत करने वाले नेतृत्व की आवश्यकता है। क्योंकि जनता अब केवल सुनना नहीं चाहती, देखना चाहती है। और जब तक सरकारी पेट्रोल पर "खानदान" चलता रहेगा, तब तक "ईंधन बचाओ" का हर अभियान जनता को केवल एक दिखावा ही प्रतीत होगा।

देश दुनीया से

## हंतावायरस-इबोला से फिर स्वास्थ्य चुनौती

**कुछ** दिन पहले एक क्रूज जहाज, एमवी होंडियस पर हंतावायरस के मामलों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। अब डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला का प्रकोप स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए नई चिंता पैदा कर रहा है। यह वायरस हफ्तों से दुनिया के एक ऐसे हिस्से में फैल रहा है, जहां गृह युद्ध की वजह से संक्रमण पर काबू पाना मुश्किल है। साथ ही, इसमें शामिल इबोला की प्रजाति भी दुर्लभ है। इसलिए इस वायरस को रोकने के लिए अधिकारियों के पास कम ही साधन उपलब्ध हैं। यह वायरस संक्रमित लोगों में से लगभग एक-तिहाई लोगों की जान ले लेता है। यह इस महामारी के फैलने का एक बहुत ही नाजुक दौर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक प्रतिनिधि ऐन एन्सिया ने चेतावनी दी है कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला का प्रकोप, जिसने कम से कम 131 लोगों की जान ले ली है, शायद मूल अनुमान से कहीं ज्यादा तेजी से फैल रहा है। डॉ. एन्सिया ने बताया कि जांच से यह और भी साफ होता जा रहा है कि यह बीमारी दूसरे इलाकों में भी फैल चुकी है। अभी तक डीआर कांगो में 513 से ज्यादा मामलों का संदेह है, जबकि पड़ोसी देश युगांडा में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। लंदन स्थित एमआरसी सेंटर फॉर ग्लोबल इन्फेक्शियस डिजीज एनालिसिस द्वारा जारी किए गए एक मॉडल के अनुसार, इबोला के बहुत से मामले पकड़ में नहीं आए हैं, और इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि मामलों की संख्या 1,000 से अधिक है। दरअसल, मौजूदा प्रकोप जितना अभी दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा बड़ा है और इसका असली दायरा अभी भी अनिश्चित है। 6 अमेरिकी नागरिकों के वायरस के संपर्क में आने की सूचना मिली है। इबोला के अधिकतर मामले छोटे स्तर के ही होते हैं, लेकिन विशेषज्ञ 2014-16 में फैली महामारी को याद करके नए प्रकोप पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। उस समय पश्चिम अफ्रीका में इबोला के सबसे बड़े प्रकोप के दौरान 28,600 लोग संक्रमित हुए थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'अंतर्राष्ट्रीय चिंता

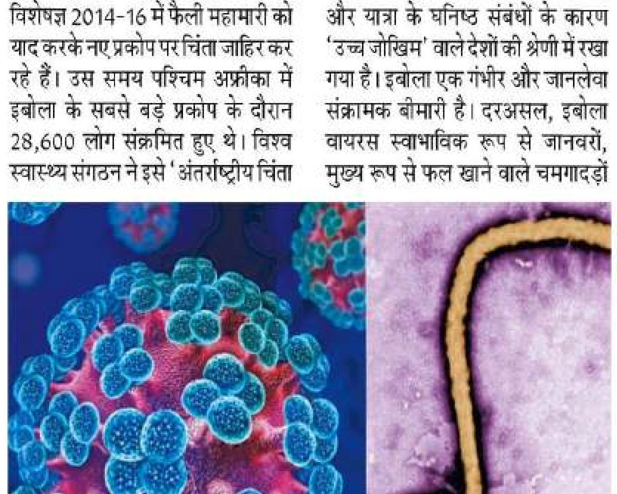

वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य इमरजेंसी' घोषित किया है। लेकिन इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि हम कोविड जैसी किसी बड़ी महामारी के शुरुआती दौर में पहुंच गए हैं। पूरी दुनिया के लिए इबोला से होने वाला खतरा अब भी कम है। वर्ष 2014-16 में इबोला महामारी के दौरान भी ब्रिटेन में इबोला के केवल तीन मामले सामने आए थे, और वे सभी स्वास्थ्यकर्मी थे जो स्वेच्छा से मदद के लिए आगे आए थे। ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के पैंडेमिक साइंसेज इंस्टिट्यूट की वैज्ञानिक डॉ. अमांडा रोजेक का कहना है कि नए प्रकोप पर काबू पाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपसी तालमेल की जरूरत है। युगांडा, दक्षिण सूडान और रवांडा जैसे पड़ोसी देशों के लिए यह इबोला अब भी एक बड़ा खतरा बना हुआ है। इन देशों को व्यापार और यात्रा के घनिष्ठ संबंधों के कारण 'उच्च जोखिम' वाले देशों की श्रेणी में रखा गया है। इबोला एक गंभीर और जानलेवा संक्रामक बीमारी है। दरअसल, इबोला वायरस स्वाभाविक रूप से जानवरों, मुख्य रूप से फल खाने वाले चमगादड़ों को संक्रमित करते हैं, लेकिन अगर लोग उनके सीधे संपर्क में आते हैं, तो वे भी संक्रमित हो सकते हैं। इस प्रकोप का कारण इबोला वायरस की बुंडिबुग्यो प्रजाति है। यह उन तीन प्रजातियों में से एक है, जिनके कारण संक्रमण फैलता है। बुंडिबुग्यो ने पहले केवल दो बार प्रकोप फैलाया है। वर्ष 2007 और 2012 में इसने संक्रमित लोगों में से लगभग 30 प्रतिशत की जान ले ली थी। बुंडिबुग्यो वायरस स्वास्थ्य कर्मियों के समक्ष कई तरह की चुनौतियां खड़ी करता है। इबोला वायरस की अन्य प्रजातियों के विपरीत बुंडिबुग्यो के लिए कोई भी स्वीकृत टीका या दवा उपलब्ध नहीं है। हालांकि कुछ प्रायोगिक दवाएं अवश्य मौजूद हैं। वायरस के संक्रमण की पुष्टि करने वाले टेस्ट बहुत कारगर नहीं हैं। इस प्रकोप के शुरुआती नतीजे इबोला वायरस के लिए नेगेटिव आए थे और वायरस की पुष्टि करने के लिए अधिक उन्नत प्रयोगशाला उपकरणों की आवश्यकता पड़ी। इसमें बुंडिबुग्यो भी शामिल है। ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर ट्रूडी लैंग कहती हैं कि बुंडिबुग्यो से निपटना इस प्रकोप में एक बहुत बड़ी चिंता है। समझा जाता है कि संक्रमण होने के दो से 21 दिनों के भीतर लक्षण दिखाई देने लगते हैं। शुरुआत में ये फ्लू के लक्षणों जैसे होते हैं जिनमें बुखार, सिरदर्द और थकान शामिल हैं। लेकिन जैसे-जैसे इबोला बढ़ता है, इससे उल्टी, दस्त और शरीर के अंगों का काम करना बंद हो जाना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। कुछ मरीजों को शरीर के अंदर और बाहर रक्तस्राव की समस्या भी हो जाती है। बुंडिबुग्यो वायरस को सीधे निशाना बनाने के लिए कोई भी स्वीकृत दवा उपलब्ध न होने के कारण इसका इलाज बेहतर सहायक देखभाल पर निर्भर करता है, जिसमें दर्द, अन्य संक्रमणों, शरीर में तरल पदार्थों और पोषण का प्रबंधन शामिल है। शुरुआती देखभाल से मरीज के बचने की संभावना बढ़ जाती है। अफ्रीका में इबोला के मामले सामने आने से कुछ दिन पहले एक क्रूज जहाज पर कुछ यात्रियों के हंतावायरस के संक्रमित लोगों की खबर ने कोविड के दिनों की याद ताजा कर दी। छह साल पहले, मार्च 2020 में एक क्रूज जहाज रूबी प्रिंसेस के सिडनी में डॉक होने के बाद कोविड फैल गया था। जहाज से उतरे यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में से 575 लोग कोविड से संक्रमित थे।

आप का नजरीया

## किफायत की आचार संहिता

**अदालतें** बदलने लगीं देश की हिफाजत में और इसी के संदर्भ में हिमाचल हाईकोर्ट ने भी 'वर्क फ्रॉम होम' की जरूरत में दिशा निर्देश जारी किए हैं। एक बड़ा संकल्प अगर अदालत के कामकाज को डिजिटल युग में प्रवेश करा रहा है, तो आने वाला वक्त पूरी तरह बदल सकता है। यहां बात देश के ईंधन की बचत को लेकर है, तो माननीय उच्च न्यायालय ने सारी संभावनाएं खोल दीं। यानी अदालत परिसर की पार्किंग अब वाहनों की भीड़ से अलग नजर आएगी, क्योंकि वाहनों की पूलिंग होगी तथा कई कर्मचारी घर से ही फाइल देखेंगे। वर्क फ्रॉम होम के दिशा निर्देश अपना कर अदालत से पहले लोकभवन ने भी अपने कदम फिजूल की गाडियों से नीचे उतारे हैं। पेट्रोल की फिजूल खर्ची को सामाजिक समर्थन मिला है या राज्य के संसाधन भी इस दिशा में आचार संहिता दर्ज नहीं करते। कारों की पूलिंग के लिए अगर सामाजिक सहमति बन जाए, तो देश के आर्थिक रास्ते आसान हो जाएंगे। हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्य में परिवहन के अर्थ, निजी वाहनों को तरजीह देने लगे हैं। नतीजतन छोटे रास्तों पर दूरी मापना कठिन होता जा रहा है। शिमला की सडकों पर अनेकों वाहन पार्क होते हैं, क्योंकि यही ठिकाना अब शहरी तरक्की का हो गया है। कमोबेश हर शहर और गांव की हस्ती में निजी वाहनों की तादाद बढ़ते-बढ़ते अब परिवहन का तनाव बन गई है, जबकि दूसरी ओर हिमाचल में बढ़ते ट्रैफिक जॉम न केवल ईंधन का अत्यधिक खर्च कर रहे हैं, बल्कि प्रदूषण बढ़ाने में सहायक हैं। ऐसे में हर शहर में वाहनों की तादाद को रोकने की नीति व योजना होनी चाहिए। हिमाचल सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रेरित करने के लिए कई कदम उठाए हैं, फिर भी सबसे अधिक व्यय पेट्रोलियम उत्पादों पर ही हो रहा है। प्रदेश में वाहन खरीद की बाकायदा आचार संहिता होनी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन, कॉमन पूल परिवहन और टैक्सी परिवहन के लिए अब आचार संहिता की जरूरत है। उदाहरण के लिए पर्यटक सीजन में वाहनों की तादाद और वाहनों की कतार प्रदेश के लिए कई मायनों में हानिकारक है। इससे प्रदूषण, ट्रैफिक जाम तथा ईंधन की खपत बढने से राष्ट्रीय और मानवीय घाटा बढ़ रहा है। हर पर्यटक स्थल से दस-पंद्रह किलोमीटर पहले निजी वाहनों को रोक कर मिनी बसों या टैक्सी पूलिंग के जरिए परिवहन संचालित किया जा सकता है। इसी तरह साइट सीईंग के लिए अलग से बस सेवाएं शुरू करनी होंगी। प्रदेश के भीतर अनेक पर्यटक शहरों के बीच पर्यटक बस सेवाएं शुरू की जा सकती हैं। उदाहरण के लिए बीड़-बिलिंग और धर्मशाला के बीच रोजाना अनेकों टैक्सियां दौड़ती हैं। अगर इन दोनों पर्यटक डेस्टिनेशन के बीच परिवहन को वाहनों के बोझ से घटाने के लिए पर्यटक बस सेवाएं शुरू की जाएं, तो किफायत का हर पहलू लाभकारी होगा। प्रदेश के अनेक भागों में अवसर विशेष परिवहन सेवाएं भी राष्ट्रीय बचत कर सकती हैं। शिमला के संदर्भ में राज्यपाल के बाद हाई कोर्ट प्रशासन के ये कदम अनुकरणीय हैं। राजधानी शिमला में हर दिन कर्मचारियों का एक सैलाब उतरता है। कोशिश यह होनी चाहिए कि वर्क फ्रॉम होम के तहत शिमला सहित सारे राज्य के प्रशासनिक शहरों में वाहनों की तादाद घटाई जाए। किफायत के हर पहलू को प्राथमिकता के आधार पर अपनाना ही पड़ेगा।

एक बड़ा संकल्प अगर अदालत के कामकाज को डिजिटल युग में प्रवेश करा रहा है, तो आने वाला वक्त पूरी तरह बदल सकता है। यहां बात देश के ईंधन की बचत को लेकर है, तो माननीय उच्च न्यायालय ने सारी संभावनाएं खोल दीं। यानी अदालत परिसर की पार्किंग अब वाहनों की भीड़ से अलग नजर आएगी, क्योंकि वाहनों की पूलिंग होगी तथा कई कर्मचारी घर से ही फाइल देखेंगे। वर्क फ्रॉम होम के दिशा निर्देश अपना कर अदालत से पहले लोकभवन ने भी अपने कदम फिजूल की गाडियों से नीचे उतारे हैं। पेट्रोल की फिजूल खर्ची को सामाजिक समर्थन मिला है या राज्य के संसाधन भी इस दिशा में आचार संहिता दर्ज नहीं करते। कारों की पूलिंग के लिए अगर सामाजिक सहमति बन जाए, तो देश के आर्थिक रास्ते आसान हो जाएंगे। हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्य में परिवहन के अर्थ, निजी वाहनों को तरजीह देने लगे हैं। नतीजतन छोटे रास्तों पर दूरी मापना कठिन होता जा रहा है। शिमला की सडकों पर अनेकों वाहन पार्क होते हैं, क्योंकि यही ठिकाना अब शहरी तरक्की का हो गया है। कमोबेश हर शहर और गांव की हस्ती में निजी वाहनों की तादाद बढ़ते-बढ़ते अब परिवहन का तनाव बन गई है, जबकि दूसरी ओर हिमाचल में बढ़ते ट्रैफिक जॉम न केवल ईंधन का अत्यधिक खर्च कर रहे हैं, बल्कि प्रदूषण बढ़ाने में सहायक हैं। ऐसे में हर शहर में वाहनों की तादाद को रोकने की नीति व योजना होनी चाहिए। हिमाचल सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रेरित करने के लिए कई कदम उठाए हैं, फिर भी सबसे अधिक व्यय पेट्रोलियम उत्पादों पर ही हो रहा है। प्रदेश में वाहन खरीद की बाकायदा आचार संहिता होनी चाहिए।

दृष्टि कोण

## घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के पास अचानक इतने पत्थर कहां से आ जाते हैं?

**मुंबई** के लिए मुसीबत बने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को पुलिस और प्रशासन ने करारा सबक सिखाकर देश की आर्थिक राजधानी को बड़ी राहत दिलाई है। बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास गरीब नगर इलाके में पश्चिम रेलवे द्वारा चलाया जा रहा अब तक का सबसे बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान न केवल रेलवे भूमि को मुक्त कराने की दिशा में अहम कदम साबित हुआ, बल्कि इस कार्रवाई ने यह भी उजागर कर दिया कि किस तरह अवैध कब्जाधारी कानून व्यवस्था को चुनौती देने से भी पीछे नहीं हटते। कार्रवाई के दौरान पुलिस और रेलवे अधिकारियों पर जमकर पत्थरबाजी की गई, जिससे एक बार फिर यह सवाल खड़ा हो गया कि देश के किसी भी हिस्से में अतिक्रमण हटाने या अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान चलते ही इन घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के पास अचानक इतने पत्थर कहां से आ जाते हैं? उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे ने बांद्रा रेलवे स्टेशन के निकट गरीब नगर में फैले अवैध कब्जों को हटाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। यह मुंबई में रेलवे की अब तक की सबसे बड़ी अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई मानी जा रही है। रेलवे के अनुसार लगभग पांच हजार दो सौ वर्ग मीटर भूमि को खाली कराया जा रहा है, जिसकी कीमत करीब छह सौ करोड़ रुपये आंकी गई है। यह इलाका हार्बर लाइन की पटरियों और बिजली व्यवस्था के बेहद करीब पहुंच चुका था, जिससे रेल संचालन और यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा था। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक यहां कई बहुमंजिला झुग्गियां फुटओवर पुलों की ऊंचाई से भी ऊपर तक बना दी गई थीं। इससे भविष्य की रेलवे परियोजनाओं और ट्रेनों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न हो रही थी। रेलवे लंबे समय से इस भूमि को खाली कराना चाहता था, क्योंकि बांद्रा स्टेशन और बांद्रा कुर्ला परिसर के पास स्थित यह इलाका रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस मामले में कानूनी प्रक्रिया वर्ष 2017 से पहले शुरू हो चुकी थी। सार्वजनिक परिसर अधिनियम के

तहत कार्रवाई करते हुए 27 नवंबर 2017 को बेदखली आदेश जारी किए गए थे। इसके बाद मामला बंबई उच्च न्यायालय और फिर उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा। इस वर्ष 29 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने अवैध अतिक्रमण हटाने की अनुमति दी थी। बाद में उच्चतम न्यायालय ने भी इस आदेश पर रोक नहीं लगाई। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी। पश्चिम रेलवे ने करीब पांच सौ झुग्गियों को हटाने के लिए चिन्हित किया, जबकि संयुक्त सर्वेक्षण में पात्र पाए गए लगभग एक सौ ढांचों को फिलहाल नहीं छुआ गया। रेलवे का कहना है कि भविष्य में इस जमीन का उपयोग उपनगरीय और लंबी दूरी की रेल सेवाओं के विस्तार के लिए किया जाएगा। कार्रवाई को सफल बनाने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई। करीब चार सौ पुलिसकर्मी, चार सौ रेलवे सुरक्षा बल और सरकारी रेलवे पुलिस के जवान तथा लगभग दो सौ रेलवे अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए गए। बांद्रा स्टेशन और बांद्रा टर्मिनस के आसपास कई रास्तों को बंद कर दिया गया, जिससे भारी यातायात जाम लग गया और यात्रियों को सामान लेकर पैदल चलना पड़ा। शुरुआत में कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से चल रही थी, लेकिन दूसरे दिन दोपहर बाद माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। अधिकारियों ने जब एक अवैध मस्जिद और वहां लगाए गए निजी दूरसंचार टावर को हटाने की कोशिश की तो भीड़ उग्र हो गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और प्रशासनिक टीमों पर पत्थर, बर्तन और अन्य सामान फेंकना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

## बाइक सवार तीन युवकों को ट्रेलर ने कुचला

**सिरोही ( हिंस )।** जिले के अनादरा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह नेशनल हाईवे-168 पर हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि टक्कर लगते ही तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों में एक युवक की तीन दिन बाद शादी होने वाली थी। वह अपने चचेरे भाई और रिश्तेदार के साथ शादी का सामान खरीदकर घर लौट रहा था। हादसा गुरुवार सुबह करीब 10-30 बजे डबानी मोड़ के पास हुआ। सीआई कमलेश गहलोत ने बताया कि तीनों युवक बाइक पर सवार होकर रेवदर से अनादरा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों युवक उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे में नरमा गरासिया (24) पुत्र बाबू गरासिया, गोविंद गरासिया (28) पुत्र साहेबा गरासिया और रमेश गरासिया (24) पुत्र छोगा गरासिया निवासी खरुआड़ा गांव की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक गोविंद के भाई अर्जुन ने बताया कि नरमा की रविवार को शादी होने वाली थी और शुक्रवार को गणपति स्थापना का कार्यक्रम रखा गया था। तीनों युवक करोटी से शादी का सामान खरीदकर गांव लौट रहे थे। नरमा और गोविंद चचेरे भाई थे, जबकि रमेश रिश्ते में नरमा का मामा लगता था। घर में जहां शादी की खुशियों का माहौल था, वहीं इस हादसे की खबर पहुंचते ही पूरे गांव में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर मौके से फरार होने लगा, लेकिन ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए करीब दो किलोमीटर तक उसका पीछा किया और ट्रेलर को रुकवा लिया। हालांकि मौका मिलते ही चालक वहां से फरार हो गया। ग्रामीण भंवर देवड़ा ने बताया कि ट्रेलर को रुकवाने में डबानी गांव के युवाओं ने अहम भूमिका निभाई।

# जयपुर : नीट पेपर लीक के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस से की धक्का-मुक्की

**जयपुर ( हिंस )।** नीट पेपर लीक मामले को लेकर गुरुवार को राजधानी जयपुर में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता बीजेपी मुख्यालय का घेराव करने निकले, लेकिन शहीद स्मारक के पास पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई तथा पुलिस ने वाटर कैनन चलाकर प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाने का प्रयास किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़ गए और जमकर नारेबाजी की। वाटर कैनन की बौछार के बीच कार्यकर्ताओं ने गोविंद सिंह डोटासरा को कंधों पर बैठा लिया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी प्रदर्शन में मौजूद रहे। शहीद स्मारक पर संबोधित करते हुए डोटासरा ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से नीट परीक्षा में पेपर लीक हो रहे हैं और अब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी पर लोगों का भरोसा खत्म हो गया है। उन्होंने

एनटीए को भंग करने की मांग करते हुए कहा कि 22 लाख विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। डोटासरा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि हम सिर्फ इस्तीफा मांग रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान नीट चोर है, उसका इस्तीफा होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मामले की जांच कोर्ट की निगरानी में कराई जानी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान लाडनूं विधायक मुकेश भाकर और पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी को पुलिस ने धक्का देकर पीछे हटाया। विधायक मनीष यादव बैरिकेड्स पर चढ़कर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे, जिन्हें पुलिस ने नीचे उतार दिया। वहीं पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास पुलिस कमिश्नरेट के सामने धरने पर बैठ गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच हल्की झड़प भी हुई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता शामिल हुईं। उन्होंने डफली बजाकर और गीत गाकर विरोध दर्ज कराया। कुछ युवा मेडिकल स्टूडेंट्स के गेटअप में भी प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए नीट का पेपर कहां मिलेगा, बीजेपी के बाड़े में। कांग्रेस के बीजेपी मुख्यालय कूच को देखते हुए शहीद स्मारक और आसपास के क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका। हालांकि बड़े नेता कुछ देर बाद लौट गए, लेकिन कार्यकर्ता देर तक शहीद स्मारक पर डटे रहे।

# दलित हितों की रक्षा और सम्मान के लिए लगातार काम कर रही योगी सरकार : डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल

**कानपुर ( हिंस )।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दलित समाज के सच्चे हितैषी हैं। उनकी सरकार दलितों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रही है। प्रदेश में दलित सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए कई ऐतिहासिक फैसले लिए गए हैं। यह बातें गुरुवार को विधान परिषद सदस्य और उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के पूर्व चेयरमैन डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने कहीं। कैंट स्थित सर्किट हाउस में दैवीय आपदा प्रबंधन एवं जांच समिति की समीक्षा बैठक के दौरान डॉ. निर्मल ने सीवर सफाई, आपदा प्रबंधन और जनसुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिना सुरक्षा उपकरणों के किसी भी सफाई कर्मी को सीवर में न उतारा जाए। ऐसा पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बरसात से पहले जलभराव वाले क्षेत्रों में सभी तैयारियां समय से पूरी करने और आपदा से निपटने के लिए विभागों को सतर्क रहने के निर्देश भी दिए। पत्रकार वार्ता में डॉ. निर्मल ने कहा कि योगी सरकार ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के सम्मान में प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में उनके चित्र स्थापित कराए हैं। लखनऊ के ऐशबाग क्षेत्र में आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण कराया

जा रहा है, जहां 25 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा, पुस्तकालय, संग्रहालय, विपश्यना केंद्र और आधुनिक प्रेक्षागृह विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमाओं के सौंदर्यीकरण, बाउंड्रीवाल और छत्र निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से हाथ से मैला उठाने जैसी अमानवीय प्रथा पर प्रभावी रोक लगी है। डॉ. निर्मल ने कहा कि सीवर हादसे में सफाई कर्मी की मृत्यु होने पर परिजनों को 30 लाख रुपए मुआवजा और आपदा राहत कोष से अतिरिक्त चार लाख रुपए सहायता दिए जाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह राशि दोषी संस्था या जिम्मेदार व्यक्ति से वसूली जाएगी। साथ ही स्टैंड अप इंडिया योजना के तहत अनुसूचित जाति युवाओं को 10 लाख से एक करोड़ रुपए तक ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

# जनगणना के साथ विभागीय काम भी करने के आदेश पर भड़के प्रगणक

**जोधपुर ( हिंस )।** प्रदेश में जनगणना का कार्य तेजी से चल रहा है। इसी बीच जयपुर निदेशालय से जारी एक आदेश के चलते जोधपुर में जनगणना करने वाले प्रगणक भड़क गए। आदेश में कहा गया था कि प्रगणक आधे दिन जनगणना और आधे दिन कार्यालय का सरकारी काम करेंगे। इसके विरोध में सैकड़ों प्रगणक नारेबाजी करते हुए मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर पहुंचे, जहां जनसुनवाई चल रही थी। नारेबाजी सुनकर प्रशासनिक अधिकारी बाहर आए। उन्होंने प्रगणकों से वार्ता की और आश्वासन दिया कि इस तरह के आदेश को वापस लिया जाएगा। इसके बाद जाकर मामला शांत हुआ। एडीएम प्रथम जवाहर चौधरी ने बताया कि आदेश जारी होने में कुछ भ्रम हो गया था और आदेश वापस हो जाएगा। निदेशालय से जारी आदेश के आधार पर स्थानीय एडीएम ने भी आधे दिन जनगणना और आधे दिन सरकारी कार्य करने के आदेश जारी कर दिए थे। गुरुवार को आदेश आते ही जनगणना में लगे कार्मिक नाराज हो गए। पहले वे नगर निगम गए, जहां कोई अधिकारी नहीं मिलने पर वे मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर पहुंचे। केंद्र की सीढ़ियों पर सभी ने अपने जनगणना किट रख दिए और अंदर जमीन पर बैठकर धरना शुरू कर दिया। प्रगणकों ने बताया कि इस आदेश से कोई भी काम नहीं कर सकता। सुबह जनगणना करने के बाद उसे जांचने तक ही दोपहर हो जाती है। इसके बाद शाम को वापस भी जाना होता है, इसलिए वे इस आदेश का विरोध कर रहे हैं। प्रगणकों ने प्रशासन से ऐसे कर्मियों को हटाने की मांग की जो बीमार और असमर्थ हैं, क्योंकि उनके लिए फील्ड में जाना संभव नहीं है। इसके अलावा, 300 से अधिक मकानों का जिम्मा उठाने वाले कार्मिकों को अतिरिक्त सहयोगी लगाने की मांग पूरी करने का आश्वासन दिया गया। प्रगणकों ने बताया कि कई कार्मिकों को 600 से 1300 घरों का जिम्मा दिया गया है।

# अब हर शिकायत पर बिहार सरकार की पैनी नजर, लापरवाही पर नपेंगे अफसर

**पटना ( हिंस )।** आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण को लेकर बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने बड़ी पहल की है। विभागीय जन शिकायत पोर्टल की मॉनिटरिंग व्यवस्था को मजबूत करते हुए तत्काल प्रभाव से नया मॉनिटरिंग सेल गठित किया गया है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल के निर्देश पर राजस्व सेवा के नौ अधिकारियों को इस सेल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि जन शिकायत पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों और परिवादों के समयबद्ध निष्पादन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने स्पष्ट किया है कि आम लोगों की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक शिकायत का

गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा। दरअसल, जन शिकायत पोर्टल आठ मई 2025 से संचालित है। पूर्व में पोर्टल से जुड़े कई अधिकारियों के अन्यत्र पदस्थापन के कारण शिकायतों के निष्पादन का कार्य प्रभावित हो रहा था। इसे गंभीरता से लेते हुए मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। मॉनिटरिंग सेल में कमल नयन कश्यप, संतोष कुमार चौधरी, मो. एजाज आलम, सक्षम सिंह, धीरज कुमार, विजय कुमार राय, पंकज कुमार झा, मनोज कुमार गुप्ता तथा अनुजा सिन्हा को जिम्मेदारी दी गई है। सभी अधिकारियों को विभागीय आईटी मैनेजर से पासवर्ड प्राप्त कर लंबित शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निष्पादन के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने बताया कि एनआईसी के माध्यम से तकनीकी व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है। वहीं विभागीय जन शिकायत पोर्टल के सतत अनुश्रवण के लिए डॉ. सुनील कुमार, उप सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है। विभाग का कहना है कि यह पहल विभागीय जवाबदेही बढ़ाने, शिकायतों के त्वरित समाधान और आम नागरिकों को बेहतर राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

# सरपंच ने बैठक में नहीं बुलाया तो आठ पंचायत सदस्यों ने दिया इस्तीफा

**फरीदाबाद ( हिंस )।** फरीदाबाद के जाजरू गांव में सरपंच और पंचों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। गांव के 8 पंचों ने सरपंच के कामकाज से नाराज होकर अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला लिया और गुरुवार को बल्लभगढ़ स्थित बीडीपीओ कार्यालय पहुंचकर लिखित रूप से अपने इस्तीफे जमा कराए। इस्तीफा देने वाले पंचों में ईश्वर, रामेश्वर डागर, सुभाष, बलराम, हेमलता, अनीता, पूजा और मनीषा शामिल हैं। पंचों ने सरपंच पर गांव के विकास कार्यों और बैठकों से उन्हें दूर रखने के आरोप लगाए हैं। पंचों का कहना है कि पिछले करीब एक साल से उन्हें गांव की बैठकों में नियमित रूप से नहीं बुलाया जा रहा। कई बार गांव में विकास कार्य शुरू कर दिए जाते हैं, लेकिन उनकी जानकारी पंचों को नहीं दी जाती। पंचों ने आरोप लगाया कि गांव में कौन सा कार्य कब और किस योजना के तहत कराया जा रहा है, इसकी सूचना भी उन्हें नहीं मिलती। उनका कहना है कि जब भी वह इस संबंध में सरपंच से बात करते हैं तो वह कोई स्पष्ट जवाब नहीं देते और बात को टाल देते हैं। इसी नाराजगी के चलते सभी पंचों ने सामूहिक रूप से पंच पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया। वहीं, सरपंच अजय डागर ने पंचों द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। सरपंच का कहना है कि गांव में जब भी कोई बैठक आयोजित की जाती है तो सभी पंचों को सूचना देकर बुलाया जाता है। सरपंच अजय डागर ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ पंच उन पर निजी कार्य करवाने का दबाव बना रहे थे। जब उन्होंने निजी काम करने से मना कर दिया तो पंच उनके खिलाफ हो गए और उनकी छवि खराब करने के उद्देश्य से सामूहिक इस्तीफा देने पहुंचे। उन्होंने बताया कि उन्होंने भी इस मामले में अपना पक्ष बीडीपीओ कार्यालय में लिखित रूप से जमा करा दिया है। वहीं, बल्लभगढ़ खंड के बीडीपीओ अधिकारी अंशु डागर ने बताया कि जाजरू गांव के 8 पंचों ने कार्यालय में अपने इस्तीफे जमा कराए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी। साथ ही पंचों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच भी करवाई जाएगी और जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने घाटा नैनवाड़ी में 151 कुंडात्मक महायज्ञ में की शिरकत

**सवाई माधोपुर ( हिंस )।** जिले के घाटा नैनवाड़ी स्थित भगवान श्री देवनारायण मंदिर में आयोजित सात दिवसीय 151 कुंडात्मक महायज्ञ के अंतर्गत गुरुवार को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कलश यात्रा के प्रधान कलश एवं यज्ञ स्थल का विधिवत पूजन किया। इस दौरान उन्होंने लोक देवता भगवान श्री देवनारायण जी के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे क्षेत्र में भक्ति एवं आस्था का माहौल देखने को मिला। कलश यात्रा में महिलाओं, युवाओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। धार्मिक अनुष्ठानों और वैदिक मंत्रोच्चार से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन हमारी लोक संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक विरासत को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि धर्म, संस्कृति और सामाजिक समरसता को समर्पित यह महायज्ञ समाज में सकारात्मक ऊर्जा, एकता और भाईचारे का संदेश देता है। कार्यक्रम में पूज्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 महंत बालकानंद गिरी जी महाराज, भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर, बामनवास भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र मीणा, प्रधान कृष्णा पोसवाल, ट्रस्ट महामंत्री पवन पोसवाल, माताएं-बहनें एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# छत्तबीड़ चिड़ियाघर में जानवरों के लिए व्यापक आहार योजना लागू की गई

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** बढ़ते तापमान को देखते हुए पंजाब के सबसे बड़े वन्यजीव अभ्यारण्य और प्रमुख सफारी स्थल छतबीर में स्थित महेंद्र चौधरी प्राणी उद्यान में जानवरों के स्वास्थ्य और सुविधा को सुनिश्चित करने के लिए गर्मियों के लिए व्यापक आहार योजना लागू की गई है। वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक्क के नेतृत्व में बढ़ती गर्मी से निपटने के लिए चिड़ियाघर में गर्मी के मौसम के दौरान प्रत्येक भालू को प्रतिदिन 100 किलोग्राम आइस क्यूब उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। हाइड्रेशन और ठंडक बनाए रखने के लिए भालुओं के साथ-साथ बंदरों और हाथियों को ताजे तरबूज भी दिए जा रहे हैं। गर्म मौसम में तरल और इलेक्ट्रोलाइट की कमी को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा स्तर बनाए रखने और डिहाइड्रेशन रोकने के लिए सभी मांसाहारी और सर्वाहारी जानवरों के पीने के पानी में ग्लूकोन-डी पाउडर मिलाया जा रहा है। चिड़ियाघर प्रशासन ने फलों और सब्जियों के सेवन में भी मौसमी बदलाव किए हैं। केले की जगह पपीते का उपयोग किया जा रहा है, क्योंकि पपीता पचाने में आसान होता है और उसमें पानी की मात्रा अधिक होती है। शाकाहारी जानवरों और पक्षियों के लिए पत्ता गोभी के पत्तों की जगह पालक के पत्तों का उपयोग किया जा रहा है तथा मूली की जगह खीरे दिए जा रहे हैं, जो बेहतर हाइड्रेशन और ठंडक प्रदान करते हैं। ये सभी उपाय छत्तबीड़ चिड़ियाघर की गर्मियों संबंधी नियमित तैयारियों और प्रोटोकॉल का हिस्सा हैं, जिनकी निगरानी पशु चिकित्सकों और पशु देखभाल स्टाफ कर रहा है।

### पत्रकार कल्याण और सम्मान के लिए सरकार का अहम निर्णय

# मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दी मंजूरी

**जयपुर ( हिंस )।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पत्रकार कल्याण, सम्मान एवं सुरक्षा के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने राज्य के पूर्णकालिक वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकारों के लिए सम्मान राशि को 15 हजार से बढ़ाकर 18 हजार रुपए प्रति माह करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। शर्मा द्वारा स्वीकृति मिलने के बाद सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) ने राजस्थान वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना में संशोधन कर पूर्णकालिक वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकारों की सम्मान राशि में वृद्धि करते हुए इसे 18 हजार रुपए करने की अधिसूचना जारी कर दी है। डीआईपीआर द्वारा जारी राजस्थान वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना (संशोधन) नियम-2026 के अनुसार ऐसे पूर्णकालिक अधिस्वीकृत पत्रकार, जिन्होंने दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचार पत्र, स्वतंत्र पत्रकार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं समाचार एजेंसी में कम से कम 20 वर्षों तक सेवायोजन कार्य किया हो (दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचार पत्र, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं समाचार एजेंसी के संपादक, प्रकाशक व मालिक सहित) और जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है, वे प्रतिमाह 18 हजार रुपए सम्मान राशि के पात्र होंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वित्तीय वर्ष बजट 2026-27 में अधिस्वीकृत पत्रकारों की सम्मान राशि 15 हजार रुपए से बढ़ाकर 18 हजार रुपए करने की घोषणा की थी। इस बजट घोषणा की अनुपालना में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने यह अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना के बाद वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना के तहत लाभार्थी दिवगंत पत्रकार की पत्नी को मिलने वाली सम्मान निधि की राशि भी 7 हजार 500 रुपए से बढ़कर 9 हजार रुपए हो गई है।

# प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के खिलाफ विवादित बयान देने वाले राहुल गांधी का भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूंका पुतला

### भाजपा ने काशी में लगाया नारा, चाइना का ये यार-राहुल गांधी गद्दार

**वाराणसी ( हिंस )।** उत्तर प्रदेश के जनपद रायबरेली में एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को लेकर विवादित बयान देने वाले कांग्रेस नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का विरोध तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जमकर खरी खोटी सुनाई और पुतला दहन किया। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अनूप जायसवाल के अगुवाई में यहां नई सड़क स्थित गीता मंदिर के पास राहुल गांधी का प्रतीक रूप से पुतला फूंक उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके पहले कार्यकर्ताओं ने चाइना का ये यार है, राहुल गांधी गद्दार है नारे लगाए और पुतले को आग के हवाले के दिया। इस मौके पर काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अनूप जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ एक अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया है। वह घोर निंदनीय है। राहुल गांधी अक्सर भाजपा और प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित बयान देते हैं। चुनावों में लगातार हार, हताशा और निराशा ने राहुल गांधी को मानसिक रोगी बना दिया है। विरोध प्रदर्शन में चन्द्र विजय सिंह, ओमप्रकाश यादव बाबू, कुलदीप वर्मा, मंगलेश जायसवाल, गोपालजी जायसवाल, धीरेन्द्र शर्मा, राहुल, अखिल वर्मा, शेखर जायसवाल आदि शामिल रहे।

# हरियाणा : छुट्टियों में विदेश नहीं जा सकेंगे मंत्री और अधिकारी

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को हरियाणा सरकार ने पूरी तरह से लागू कर दिया है। गाड़ियों के काफिले में कटौती के बाद अब हरियाणा सरकार ने अपने सभी मंत्रियों तथा अधिकारियों के विदेश दौरों को रद्द कर दिया है। मंत्रियों के विदेशी दौरे भी रद्द किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल का जापान जाना स्थगित हो गया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक विस्तृत गाइडलाइन तैयार हो रही है। जिसके बाद सिर्फ बेहद जरूरी होने या विशेष परिस्थितियों में ही विदेश यात्रा की अनुमति मिलेगी। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के सिलसिले में 19 से 22 जून तक जापान जाना था, लेकिन अब फिलहाल यह टल गया है। इसकी पुष्टि खुद मंत्री विपुल गोयल ने की है। पिछले कुछ सालों में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड (केडीबी) का प्रतिनिधि मंडल अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के लिए मॉरिशस, यूके, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया व श्रीलंका जा चुका है। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक को-ऑर्डिनेटर ने भी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के सिलसिले में जापान दौरे के लिए आवेदन किया था। इसके लिए सीएम से विदेश यात्रा की अनुमति मांगी थी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसे मंजूरी नहीं दी। श्रम एवं ऊर्जा मंत्री अनिल विज के विभाग में कुछ कर्मचारियों ने अपने निजी खर्च पर विदेश जाने की अनुमति मांगी थी।

# विक्रमशिला सेतु संकट के बीच राहत, गंगा में शुरू हुई कार्गो जहाज सेवा

**भागलपुर ( हिंस )।** विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त होने के बाद जहां एक ओर आम लोगों की मुश्किलें बढ़ गई थीं, वहीं दूसरी ओर भारी मालवाहक गाड़ियों को लंबी दूरी तय कर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ रहा था। लेकिन अब जिला प्रशासन ने इस संकट के बीच राहत की नई राह खोल दी है। गंगा नदी में बड़े कार्गो जहाजों का परिचालन शुरू कर दिया गया है, जिससे लोगों और व्यापारियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। जिला प्रशासन द्वारा कोलकाता से दो विशाल कार्गो जहाज मंगाए गए हैं। इनमें से एक जहाज पर लगभग 25 ट्रकों को एक साथ लादा जा सकेगा, जबकि दूसरे जहाज पर 08 से 10 ट्रक की क्षमता होगी। इससे भारी वाहनों को अब लंबा

चक्कर लगाकर दूसरे रास्तों से नहीं जाना पड़ेगा। समय की बचत के साथ परिवहन लागत भी कम होगी इस नई सेवा का उद्घाटन गुरुवार को सदर अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के दौरान अधिकारियों ने बताया कि कार्गो जहाजों पर सिर्फ मालवाहक वाहन ही नहीं, बल्कि छोटे चार पहिया वाहन और आम यात्री भी सफर कर सकेंगे। प्रशासन ने सभी श्रेणी के वाहनों और यात्रियों के लिए किराया भी निर्धारित कर दिया है। यात्रियों के लिए 25 रुपए से शुरुआत होने वाला किराया बड़े मालवाहक वाहनों के लिए 5000 रुपए तक तय किया गया है। वहीं एंबुलेंस सेवा को पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है, ताकि आपातकालीन सेवाओं पर कोई असर न पड़े। घाट पर सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। इसके अलावा मेडिकल कैंप और सुरक्षा बलों को भी घाट पर लगाया गया है, ताकि यात्रियों और वाहन चालकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। विक्रमशिला सेतु बंद होने से जहां लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही थी, वहीं अब गंगा में शुरू हुई यह जहाज सेवा भागलपुर और नवगछिया के बीच नई उम्मीद बनकर उभरी है। प्रशासन को उम्मीद है कि इससे व्यापार, यातायात और आम जनजीवन को काफी राहत मिलेगी

# अमृतसर के अवैध पटाखा फैक्टरी में धमाका, एक महिला की मौत

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब के अमृतसर में चल रही अवैध पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद एक महिला की मौत हो गई तथा एक अन्य झुलस गई। पुलिस ने पटाखा फैक्टरी वाली इमारत को सील करके अगली कार्रवाई शुरू कर दी है। अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गुरुवार को दोपहर करीब 12 बजे अनगढ़ इलाके में एक मकान में आग लगने की सूचना मिली। आग लगने के दौरान यहां जोरदार धमाका हुआ। उन्होंने बताया कि यह हादसा अशोक कुमार नामक व्यक्ति के घर पर हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी, एसीपी सुरिंदर तथा विशाल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फायर ब्रिगेड को सूचित किया और आग में झुलसी दो महिलाओं को बाहर निकाला। भुल्लर ने बताया कि महिलाओं को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सुमन नामक महिला की मौत हो गई, जबकि गुरप्रीत कौर गंभीर रूप से झुलसी है। उन्होंने बताया कि यहां अवैध रूप से पटाखे बनाने का काम किया जा रहा था। पटाखों को स्टोर भी किया गया था। करीब एक घंटे बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाया गया। आग लगने के कारण यहां विस्फोटक में जोरदार धमाका हुआ है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि एफएसएल टीमों ने जांच की है। यहां किसी प्रकार के विस्फोटक की सूचना नहीं है। पुलिस ने केस दर्ज कर इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

# वेतन का हिस्सा म्यूचुअल फंड में, सेबी का अहम प्रस्ताव, वितरकों को भी यूनिटों में कमीशन देने की मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली

**भारतीय कंपनी जगत को जल्द ही अपने कर्मचारियों के वेतन का कुछ हिस्सा सीधे म्यूचुअल फंडों की यूनिटों के रूप में देने की इजाजत मिल सकती है।**

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने हाल ही में जारी एक परामर्श पत्र में कुछ खास मामलों में फंडों में थर्ड-पार्टी भुगतान की अनुमति का प्रस्ताव किया है। यह कदम कर्मचारियों के लिए बचत के नए अवसर पैदा करने और कंपनियों के लिए सामूहिक निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। वर्तमान में किसी निवेशक को म्यूचुअल फंड में निवेश अपने ही बैंक खाते से करना होता है, जिसका मकसद मनी लान्ड्रिंग और गलत इस्तेमाल को रोकना है। हालांकि, सेबी ने म्यूचुअल फंड सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर इस नियम में कुछ ढील देने की योजना बनाई है। एक प्रमुख प्रस्ताव के तहत, नियोक्ता अब अपने कर्मचारियों की ओर से फंड योजनाओं में निवेश कर सकेंगे। सेबी ने कहा कि यह व्यवस्था नियोक्ताओं द्वारा कर्मचारियों को विभिन्न लाभ और बचत के मौके देने की पुरानी परंपरा को मान्यता देती है। यह सुविधा सूचीबद्ध कंपनियों, ईपीएफओ में पंजीकृत फर्मों और परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) के लिए उपलब्ध होगी, हालांकि यह निवेश कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक रहेगा। इसके अतिरिक्त सेबी ने एएमसी को यह अनुमति देने का भी प्रस्ताव किया है कि वे अपने पैनल में शामिल फंड वितरकों को कमीशन का कुछ हिस्सा नकदी के बजाय फंडों की यूनिटों के रूप में दें। नियामक का मानना है कि इससे वितरकों को फंडों में निवेश का सुविधाजनक, अनुशासित तरीका मिलेगा और लंबी अवधि के लिए बचत और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। नियामक ने थर्ड-पार्टी भुगतान के लिए कई सुरक्षा उपाय भी सुझाए हैं, जिनमें भुगतानकर्ता और प्राप्तकर्ता के बीच संबंध की पुष्टि, बेहतर केवाईसी जांच, आडिट ट्रेल्स और यह सुनिश्चित करना शामिल है कि निवेश निकासी से मिली रकम सिर्फ प्राप्तकर्ता के सत्यापित बैंक खाते में ही जमा हो। एक अन्य प्रस्ताव में, सेबी ने निवेशकों को अपने फंड निवेश या उससे मिले रिटर्न का एक हिस्सा सामाजिक कार्यों में दान करने की सुविधा देने का भी सुझाव दिया है।

## न्यूज ब्रीफ

### नई कॉम्पैक्ट एसयूवी लाने की तैयारी में महिंद्रा

**नई दिल्ली।** स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा अब एक नई कॉम्पैक्ट एसयूवी लाने की तैयारी में है। इस अपकमिंग एसयूवी, जिसे विजन एस के नाम से जाना जा रहा है, इन दिनों काफी चर्चा में है। कंपनी को उम्मीद है कि यह नई सब-4 मीटर एसयूवी अगले साल तक बाजार में दस्तक दे सकती है। कंपनी इसे पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक तीनों वेरिएंट में पेश करने की योजना बना रही है, जिससे यह ग्राहकों को कई विकल्प उपलब्ध कराएगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, विजन एस महिंद्रा के नए एनयू-आईक्यू मोनोकाक माड्यूलर प्लेटफार्म पर विकसित होने वाली पहली एसयूवी होगी। यह बहुमुखी प्लेटफार्म फ्रंट-व्हील ड्राइव और आल-व्हील ड्राइव दोनों सिस्टम को सपोर्ट करने में सक्षम होगा, साथ ही इसमें इंटरनल कंबशन इंजन और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन दोनों का विकल्प मिलेगा। कंपनी का दावा है कि इस प्लेटफार्म पर आधारित एसयूवी का ग्राउंड क्लीयरेंस 227 मिमी तक हो सकता है, जो खराब और चुनौतीपूर्ण सड़कों पर भी बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव प्रदान करेगा। नई विजन एस का स्कार्पियो परिवार का हिस्सा माना जा रहा है, जिसका डिजाइन काफी बोल्ड और मस्कुलर होगा। इसमें महिंद्रा के ट्विन पीक्स लोगो वाली नई ग्रिल, वर्टिकल एलईडी लाइट्स, एल-शेप हेडलाइट्स और स्पोर्टी बंपर देखने को मिल सकते हैं। इसके अतिरिक्त, फाग लैंप का डिजाइन भी काफी अनोखा होगा।

### टाटा मोटर्स कई नए माडल लान्च करने की तैयारी में

**नई दिल्ली।** बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच टाटा मोटर्स अब कई नए माडल लान्च करने की तैयारी कर रही है। अगले छह महीने में कंपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी, फेसलिफ्ट माडल और फ्लैक्स-फ्यूल तकनीक वाली छह गाड़ियां बाजार में उतार सकती है। इन सभी में, टाटा सिएरा ईवी की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। यह कंपनी की प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी, जिसमें 55 किलोवाट और 65 किलोवाट बैटरी पैक का विकल्प मिल सकता है। बड़ी बैटरी के साथ, इसकी रेंज 500 किलोमीटर से अधिक रहने की उम्मीद है, जो लंबी यात्राओं के लिए उपयुक्त होगी। इसमें तीन स्क्रीन वाला डैशबोर्ड, लेवल-2 एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) और आल-व्हील ड्राइव जैसे अत्याधुनिक फीचर्स दिए जा सकते हैं। कंपनी अपनी लोकप्रिय कार टियागो और टिगोर को भी फेसलिफ्ट अवतार में लान्च करेगी। दोनों कारों में एक नया डिजाइन, एलईडी हेडलाइट्स और एक बड़ा टचस्क्रीन सिस्टम मिलेगा, जो उन्हें और अधिक आकर्षक बनाएगा। वहीं, टियागो ईवी में एक बड़ा बैटरी पैक दिया जा सकता है, जिससे इसकी ड्राइविंग रेंज में उल्लेखनीय सुधार होगा। टाटा सफारी ईवी भी कंपनी की बड़ी योजनाओं में शामिल है। यह भारत की पहली मुख्यधारा की इलेक्ट्रिक 7-सीटर एसयूवी हो सकती है।

### टोयोटा कई नई एसयूवी लान्च करने की तैयारी में

**नई दिल्ली।** भारतीय बाजार में भरोसेमंद गाड़ियों के लिए मशहूर टोयोटा अब कई नई एसयूवी लान्च करने की तैयारी कर रही है। इन गाड़ियों को लेकर आटो बाजार में काफी उत्साह देखा जा रहा है। कंपनी आने वाले समय में लैंड क्रूजर एफजे, प्राडो, नई फार्च्यूनर और इलेक्ट्रिक एसयूवी समेत पांच नए माडल पेश कर सकती है। सबसे ज्यादा चर्चा टोयोटा लैंड क्रूजर एफजे की हो रही है। यह माडल पहले ही जापान और थाईलैंड में लान्च हो चुका है और माना जा रहा है कि 2028 तक भारत में भी इसकी एंट्री हो सकती है। इसमें 7 एयरबैग, 12.3 इंच टचस्क्रीन, 360 डिग्री कैमरा और लेवल-2 एडीएएस जैसे फीचर्स दिए जाएंगे। कंपनी इसमें 2.7 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ हाइब्रिड विकल्प भी दे सकती है। टोयोटा लैंड क्रूजर प्राडो भी भारतीय बाजार में आने की तैयारी में है। यह फार्च्यूनर से ऊपर के सेगमेंट में रखी जाएगी। इसमें प्रीमियम इंटीरियर, वायरलेस ऐपल कारप्ले, जेबीएल आडियो सिस्टम और पावर सीट्स जैसे फीचर्स मिलेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार इसमें 2.8 लीटर डीजल इंजन दिया जा सकता है।

# कई नई कारें लान्च करने की तैयारी कर रही मारुति सुजुकी

नई दिल्ली

**कार निर्माता मारुति सुजुकी आने वाले समय में कई नई कारें लान्च करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में मारुति सुजुकी कंपनी की तीन नई गाड़ियों को टेस्टिंग के दौरान एक साथ देखा गया, जिससे आटोमोबाइल बाजार में उत्सुकता बढ़ गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ये माडल ब्रेजा फेसलिफ्ट, बलेनो फेसलिफ्ट और कंपनी की नई इलेक्ट्रिक एमपीवी वाईएमसी हो सकते हैं। सबसे पहले, ब्रेजा फेसलिफ्ट की चर्चा हो रही है, जिसका डिजाइन मौजूदा माडल से मिलता-जुलता है लेकिन इसमें नया टेल लैंप डिजाइन और कनेक्टेड लाइट बार जैसी आधुनिक स्टाइलिंग देखने को मिली है। इसके अतिरिक्त, इसमें नए अलाय व्हील्स और एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम भी दिया जा सकता है।**

बताया जा रहा है कि ब्रेजा फेसलिफ्ट में 6-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स और अंडरफ्लोर सीएनजी टैंक का विकल्प भी उपलब्ध होगा, जो इसे और भी आकर्षक बनाएगा। दूसरा माडल बलेनो फेसलिफ्ट माना जा रहा है, जिसमें एक नई रूफलाइन, अपडेटेड बंपर और बदला हुआ टेल लैंप डिजाइन देखने को मिला है। कंपनी इसमें एक बड़ा टचस्क्रीन सिस्टम और बेहतर कनेक्टेड फीचर्स देने की तैयारी कर रही है, जिससे इसका इंटीरियर पहले से कहीं ज्यादा प्रीमियम और आधुनिक महसूस होगा। तीसरा और सबसे खास माडल नई इलेक्ट्रिक एमपीवी वाईएमसी है, जिसका आकार बाकी दोनों कारों से काफी बड़ा दिखाई दिया।

इसमें एक बाक्सी डिजाइन, बंद फ्रंट ग्रिल, लाइट बार और एक लंबा ग्लास एरिया देखने को मिला। माना जा रहा है कि यह कंपनी की नई 7-सीटर इलेक्ट्रिक एमपीवी होगी, जो इलेक्ट्रिक सेगमेंट में मारुति की बड़ी पेशकश हो सकती है। इन माडलों के अलावा, कंपनी ग्रैंड विटारा पर आधारित एक नई 7-सीटर एसयूवी पर भी काम कर रही है। इस आगामी एसयूवी में पैनोरमिक सनरूफ, लेवल-2 एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम), 6 एयरबैग और एक हाइब्रिड इंजन का विकल्प मिल सकता है।

### सेडान होंडा सिटी का फेसलिफ्ट माडल जल्द होगा लांच

**नई दिल्ली।** भारतीय बाजार में होंडा कंपनी अपनी लोकप्रिय मिड-साइज सेडान होंडा सिटी का फेसलिफ्ट माडल लान्च करने जा रही है। लान्च से पहले ही इसका एक नया स्पाय वीडियो सामने आया है, जिसमें कार बिना किसी कवर के दिखाई दे रही है। इससे साफ हो गया है कि नई सिटी अब डीलरशिप्स तक पहुंचने लगी है और जल्द ही ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगी, जिससे इसे खरीदने का इंतजार कर रहे लोगों में उत्साह बढ़ गया है। सामने आए वीडियो के अनुसार, नई होंडा सिटी का फ्रंट डिजाइन पहले से ज्यादा स्पोर्टी और आकर्षक बनाया गया है। इसमें नई प्रोजेक्टर एलईडी हेडलाइट्स, शार्प एलईडी डीआरएल (डे-टाइम रनिंग लाइट्स) और एक ग्लास ब्लैक फ्रंट ग्रिल दी गई है। कंपनी ने इसके बंपर को भी नया डिजाइन दिया है, जिससे कार का लुक ज्यादा आक्रामक और आधुनिक नजर आता है। कार के साइड प्रोफाइल में नए 16 इंच डायमंड-कट अलाय व्हील्स दिए गए हैं, जो इसके समग्र सौंदर्य को बढ़ाते हैं। वहीं, पीछे की तरफ एलईडी टेललाइट्स के साथ बाडी कलर स्पाइलर और एक नया रियर डिफ्यूजर जोड़ा गया है, जिससे कार का पिछला हिस्सा भी स्टाइलिश दिखता है। कुल मिलाकर, नई सिटी का डिजाइन पहले से कहीं ज्यादा माडर्न और प्रीमियम दिखाई देता है। इंटीरियर में भी कई बदलाव किए गए हैं। इसमें एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एम्बिएंट लाइटिंग, वेंटिलेटेड सीट्स और 360 डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है, जो ड्राइविंग अनुभव को बेहतर बनाएंगे। इसके अलावा, एडवांस्ड कनेक्टेड कार टेक्नोलाजी और होंडा सेंसिंग एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) सेफ्टी फीचर्स भी दिए जाएंगे, जो यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करेंगे। कार में सनरूफ, आटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और लेदर सीट्स जैसी सुविधाएं पहले की तरह बरकरार रहेंगी, जो आराम और लग्जरी प्रदान करती हैं। इंजन की बात करें तो, कंपनी इसमें मौजूदा 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन ही देगी, जो 119 बीएचपी की पावर और 145 एनएम टार्क पैदा करता है।

## बायोगैस को हाइब्रिड से अधिक प्रोत्साहन मिले: मारुति

# नेट-जीरो उत्सर्जन और जैविक खाद उत्पादन के कारण बताया बेहतर

नई दिल्ली

**मारुति सुजुकी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बायोगैस से चलने वाले वाहनों को हाइब्रिड वाहनों की तुलना में सरकार से अधिक प्रोत्साहन दिए जाने की पुरजोर वकालत की है। उन्होंने तर्क दिया कि बायोगैस वाहन नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन सुनिश्चित करते हैं और खेती के लिए उपयोगी जैविक खाद भी बनाते हैं, जो उन्हें पर्यावरण और कृषि दोनों के लिए बेहतर विकल्प बनाता है।**

उन्होंने देश के सामने मौजूद उस बड़ी चुनौती पर अपनी राय रखी, जिसमें भारत को भारी मात्रा में आयात किए जाने वाले जीवाश्म ईंधनों से हटकर विद्युतीकरण की ओर तेजी से बढ़ना है। उनका मानना है कि बायोगैस, कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के रूप में सीधे सीएनजी का विकल्प बन सकती है या जीवाश्म ईंधन-आधारित सीएनजी के साथ भी मिलाई जा सकती है, और यह ऊर्जा स्वतंत्रता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, खासकर मौजूदा वैश्विक तेल संकट के परिप्रेक्ष्य में। उन्होंने अफसोस जताया कि देश में बायोगैस की अपार संभावनाओं के बावजूद यह अभी तक लोकप्रिय नहीं हो पाई है। उनका कहना है कि इसकी मुख्य वजह यह है कि कंपनियों को कृषि कचरे को बायोगैस में बदलने वाले संयंत्रों में निवेश के लिए पर्याप्त प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है। इस कमी को दूर करने के लिए, उन्होंने बायोगैस से चलने वाले वाहनों को जीएसटी में अधिक छूट देने या प्रस्तावित कारपोरेट औसत ईंधन दक्षता (सीएएफई) नियमों में हाइब्रिड जैसे अन्य वाहनों की तुलना में ज्यादा छूट देने का सुझाव दिया।

# पृष्ठ तीन का शेष

### इबोला : भारत-अफ्रीका...

संबंधित राष्ट्रीय संस्थानों को समर्थन देने पर सहयोग जारी रखने का महत्व दोहराया। भारत में अभी तक इबोला का कोई मामला रिपोर्ट नहीं हुआ है। फिर भी केंद्र सरकार ने पूरे देश में निगरानी और तैयारियों को बढ़ा दिया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिए गए हैं कि वे हवाई अड्डों पर प्री-अराइवल और पोस्ट-अराइवल स्क्रीनिंग, क्वारंटाइन प्रोटोकॉल, केस मैनेजमेंट, रेफरल मैकेनिज्म और लैब टेस्टिंग के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपीएस) सुनिश्चित करें। इबोला वायरस की कई स्ट्रेन हैं। वर्तमान प्रकोप बुंडीबुग्यो वैरिएंट से जुड़ा है, जो जायर वैरिएंट जितना घातक नहीं है, लेकिन फिर भी सतर्कता बरतना जरूरी है। 2014-2016 के पश्चिम अफ्रीका महामारी की याद अभी भी ताजा है। यह स्थगन स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देने का उदाहरण है। भारत और अफ्रीका के बीच मजबूत साझेदारी भविष्य में और गहरी होगी। सम्मेलन की नई तिथि की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

### विदेश से लौटते ...

सभी मंत्रालयों ने पहले ही कैबिनेट सचिवालय को पिछले दो वर्षों के सुधार उपायों का विवरण और पिछले 12 वर्षों की सफल योजनाओं की सूची सौंपी है। बैठक में इन रिपोर्टों पर विस्तृत चर्चा होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी मिडिल ईस्ट में चल रहे संकट और ईरान युद्ध पर भी विचार करेंगे। इस युद्ध का भारत पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभावों- खासकर ऊर्जा कीमतों और व्यापार प्रवाह- पर चर्चा हो सकती है। मंत्रालयों को नागरिकों को होने वाली किसी भी असुविधा को कम करने के निर्देश दिए जा सकते हैं। ऊर्जा, कृषि, उर्वरक, विमानन, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान रहेगा।

### वायरस को लेकर हवाई ...

हेल्थ डेस्क को रिपोर्ट करना चाहिए और यह रिपोर्टिंग इमिग्रेशन क्लियरेंस से पहले करनी होगी। एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि जिन यात्रियों का इबोला रोगी के रक्त या शारीरिक तरल पदार्थों से सीधा संपर्क हुआ है, उन्हें तुरंत स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित करना चाहिए। साथ ही ऐसे यात्रियों को आगमन के बाद 21 दिनों तक स्वयं निगरानी करनी चाहिए और यदि कोई लक्षण विकसित हों तो तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।

### विस सत्र के पहले ...

राज्य की भाषाई विविधता की झलक देखने को मिली। यह शपथ ग्रहण समारोह हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद आयोजित हुआ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल असम गण परिषद (अगप) और बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने 126 सदस्यीय विधानसभा में कुल 102 सीटों पर जीत दर्ज की। चुनाव में भाजपा को 82 सीटें मिलीं, जबकि अगप और बीपीएफ ने 10-10 सीटें हासिल कीं। विपक्ष में कांग्रेस को 19 सीटें मिलीं। वहीं, राइजर दल ने दो सीटों पर जीत दर्ज की। अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) और तृणमूल कांग्रेस को क्रमशः दो और एक सीट मिली।

### सत्र के पहले दिन...

जनसेवा की नई यात्रा शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास, जवाबदेही और जनसेवा के प्रति दृढ़ संकल्प के साथ वह जनता की अपेक्षाओं, समस्याओं और अधिकारों की आवाज सदन में मजबूती से उठाते रहेंगे तथा लोगों के विश्वास को कायम रखने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे। भाजपा विधायक विजय कुमार गुप्ता ने क्षेत्रवासियों के सहयोग और स्नेह के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का आशीर्वाद और समर्थन ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति और प्रेरणा है।

### दूसरी बार स्पीकर...

पहली बार भाजपा सत्ता में आई थी और दास को विधानसभा संचालन की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई थी। रंजीत कुमार दास असम की भवानीपुर-सोरभोग विधानसभा सीट से विधायक हैं। वह 2011 से लगातार चार बार विधानसभा चुनाव जीतकर सदन पहुंचे हैं।

### राज्य सरकार ने मवेशी ...

अंकुश लगाने के लिए निगरानी और प्रवर्तन उपायों को तेज कर दिया है, विशेष रूप से पड़ोसी राज्यों और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से सटे जिलों में। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस और जिला प्रशासन को त्योहारों के मौसम से पहले कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मौजूदा कानूनों का उल्लंघन करते हुए अवैध पशु परिवहन और वध गतिविधियां न हों। असम सरकार ने बार-बार यह दोहराया है कि संगठित पशु तस्करी गिरोहों और पशु चोरी तथा अवैध व्यापार गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। शर्मा ने कई मौकों पर यह दावा किया है कि सरकार असम पशु संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों को सख्ती से लागू करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि पशुओं के अवैध परिवहन पर प्रभावी ढंग से रोक लगाई जाए। मुख्यमंत्री का यह ताजा बयान राज्य भर में कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कड़ी निगरानी के बीच आया है, जिसमें सुरक्षाकर्मी संवेदनशील क्षेत्रों में वाहनों की गहन जांच और अंतरराज्यीय सीमा निगरानी अभियान चला रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि त्योहारों के दौरान तस्करी नेटवर्क को खत्म करने और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नियमित रूप से समन्वित प्रवर्तन अभियान चलाए जा रहे हैं।

### मणिपुर में 67 हथियार...

सुरक्षा बलों ने यूएनएलएफ (पी) के दो सक्रिय कैडरों - मायांग इंफाल कोकचाई निवासी हेशनाम थॉमस सिंह (29) तथा लामशांग हेइबोंगपोकपी मयाई लेइकाई निवासी अरामबाम टॉमटॉम सिंह (29) को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से एक इंसास लाइट मशीन गन (एलएमजी), तीन इंसास एलएमजी मैगजीन और 14 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, अभियान के दौरान गिरफ्तार आरोपितों के कुछ सहयोगियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद कुछ समय तक दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी हुई।

### धुबड़ी में बकरीद...

2021 के तहत कानूनी प्रावधानों की व्याख्या करते हुए, दहल ने कहा कि वैध परमिट के बिना मवेशियों का वध, बिक्री और परिवहन कानून के तहत सख्ती से प्रतिबंधित है। उन्होंने आगे कहा कि हिंदू, जैन या सिख समुदायों की बहुलता वाले क्षेत्रों में, साथ ही किसी भी मंदिर या सत्रा के पांच किलोमीटर के दायरे में गोमांस की बिक्री अवैध है। जिला आयुक्त ने बताया कि गायों, बैलों, बछड़ों और भैंसों सहित मवेशियों का वध तभी किया जा सकता है जब जानवर की उम्र 14 वर्ष से अधिक हो और वह दुर्घटना में लगी चोट या विकृति के कारण काम करने या प्रजनन करने में स्थायी रूप से असमर्थ हो। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह का कोई भी वध केवल प्रमाणित बूचड़खानों में ही कानूनी रूप से अनुमत है। धुबड़ी जिले में कोई भी प्रमाणित बूचड़खाना न होने के कारण, जिले के भीतर किसी भी प्रकार के पशु वध की अनुमति नहीं दी जाएगी, एक बयान में कहा गया है।

### शिक्षा मंत्री को हटाए...

पुलिस द्वारा हटाए जाने से जुड़े के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए सरकार पर लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जब विदेश यात्रा पर थे, तब देश के युवा सड़कों पर उतर कर न्याय मांग रहे थे। नीट यूजी प्रश्नपत्र लीक ने देश के लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया।

### देश में तेजी से ...

नेतृत्व सम्मेलन में कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकी, नवाचार, अनुसंधान, कौशल और सफल कार्यप्रणालियां ही भविष्य की अर्थव्यवस्था की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञान को संपत्ति में बदलना ही भविष्य का सबसे बड़ा आर्थिक मॉडल है और भारत इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब परिपत्र अर्थव्यवस्था की दिशा में तेजी से काम कर रहा है, जहां कचरे को संपदा में बदला जा रहा है। सड़क परिवहन मंत्रालय नगरों के पुराने ठोस कचरे का उपयोग सड़क निर्माण में कर रहा है। अब तक 90 लाख टन से अधिक ठोस नगर कचरे का उपयोग सड़क निर्माण में किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि बायो-बिटुमिन पर सफल अनुसंधान पूरा हो चुका है और अब पेट्रोलियम बिटुमिन में 30 प्रतिशत तक बायो-बिटुमिन मिलाया जा सकता है। इसके अलावा उपयोग किए जा चुके टायरों से प्राप्त 15 प्रतिशत रबर पाउडर और सात प्रतिशत प्लास्टिक का उपयोग भी सड़क निर्माण में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से बनी सड़कें सफल साबित हुई हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक लॉजिस्टिक लागत रही है। पहले भारत में लॉजिस्टिक लागत लगभग 16 प्रतिशत थी, लेकिन अब यह एकल अंक में पहुंच रही है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बेंगलुरु, कानपुर और चेन्नई की हालिया रिपोर्टों के अनुसार देश की लॉजिस्टिक लागत में लगभग छह प्रतिशत तक कमी आई है। उन्होंने कहा कि ग्रीन हाईवे और नियंत्रित प्रवेश वाले एक्सप्रेस-वे इस बदलाव का सबसे बड़ा कारण हैं।

### पश्चिम बंगाल में ...

औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), 50 कंपनी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) तथा 50 कंपनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) तैनात रहेंगे। उल्लेखनीय है कि, चुनाव के दौरान गृह मंत्रालय ने संकेत दिया था कि मतगणना समाप्त होने के बाद भी कम से कम 60 दिनों तक राज्य में केंद्रीय बल मौजूद रहेंगे। मतदान के बाद संभावित कानून-व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया था।

### फलता पुनर्मतदान शांतिपूर्ण...

मौजूद नहीं थे। इसके बावजूद मतदान प्रक्रिया पर इसका कोई बड़ा असर नहीं पड़ा और अधिकांश बूथों पर मतदान शांतिपूर्वक चलता रहा। उल्लेखनीय है कि, 29 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में फलता सीट पर मतदान हुआ था। बाद में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में कथित गड़बड़ी, मतदान प्रक्रिया में अनियमितता और वेब कैमरों की रिकॉर्डिंग से छेड़छाड़ के आरोपों के बाद निर्वाचन आयोग ने पूरे विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान कराने का फैसला किया था। जांच के दौरान कम से कम 60 बूथों में गड़बड़ी के संकेत मिलने की बात सामने आई थी। इस बीच पुनर्मतदान से ठीक पहले तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार जहांगिर खान ने चुनावी मुकाबले से हटने की घोषणा कर राजनीतिक हलचल बढ़ा दी थी।

### सरकारी स्कूलों में ...

कहा कि ऐसे दौरे विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाते हैं और उन्हें कक्षा से बाहर भी सीखने का अवसर देते हैं। राधाकृष्णन ने छात्रों से कहा कि जीवन में संघर्ष, असफलता और चुनौतियां सफलता का हिस्सा हैं। कठिन परिस्थितियां व्यक्ति को मजबूत, आत्मविश्वासी और अधिक संकल्पित बनाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों से निराश न होने और शिक्षा को सफलता का सबसे बड़ा माध्यम मानने की अपील की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश के अनेक वैज्ञानिक, प्रशासक, शिक्षक, उद्यमी और नेता सरकारी स्कूलों तथा सार्वजनिक संस्थानों से निकलकर आगे बढ़े हैं। अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने भी तमिल माध्यम के एक सरकारी स्कूल में शिक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

# एस्टन विला 30 साल बाद बना यूरोपा लीग चैंपियन, फ्रीबर्ग को 3–0 से हराकर जीता खिताब

नई दिल्ली

यूरोपियन फुटबाल में एस्टन विला ने 30 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए 2025–26 यूरोपा लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। बुधवार रात खेले गए फाइनल मुकाबले में एस्टन विला ने जर्मनी के फ्रीबर्ग को एकतरफा अंदाज में 3–0 से हराया।

तुर्की के तुप्रास स्टेडियम में खेले गए फाइनल में एस्टन विला ने शुरुआत से ही मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। टीम ने लगातार गेंद पर कब्जा रखते हुए फ्रीबर्ग की मजबूत डिफेंस पर दबाव बनाया। पहले हाफ में काफी देर तक गोल नहीं हुआ, लेकिन 41वें मिनट में टीम को सफलता मिल गई।

शार्ट कार्नर पर शानदार मूव के बाद मार्गन रोजर्स ने बाक्स में क्रास दिया, जिस पर यूरी टिलेमंस ने बेहतरीन वाली लगाकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया और एस्टन विला को 1–0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ के इंजरी टाइम में एमिलियानो बुएंदिया ने शानदार कर्लिंग शाट लगाकर टीम की बढ़त 2–0 कर दी। इसके बाद एस्टन विला ने मैच पर पूरी पकड़ बना ली। दूसरे हाफ के 58वें मिनट में बुएंदिया ने खतरनाक क्रास दिया, जिस पर मार्गन रोजर्स ने गोल करते हुए स्कोर 3–0 कर दिया।

इसके बाद फ्रीबर्ग वापसी नहीं कर सका और एस्टन विला ने आसानी से मुकाबला जीत लिया। एस्टन विला का यह 1996 के बाद पहला बड़ा खिताब है। इससे पहले टीम ने लीड्स यूनाइटेड को हराकर लीग कप जीता था। पिछले तीन दशकों में क्लब कई बार करीब पहुंचा, लेकिन ट्राफी जीतने में सफल नहीं हो पाया था। कोच उनाई एमरी की अगुवाई में टीम ने इस सीजन शानदार प्रदर्शन किया।

लीग चरण में एस्टन विला दूसरे स्थान पर रहा और नाकआउट चरण में लिली, बोलोनिया और नाटिंघम फारेस्ट को हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में यूरी टिलेमंस, मार्गन रोजर्स और एमिलियानो बुएंदिया टीम की जीत के हीरो रहे। वहीं गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने शानदार गोलकीपिंग करते हुए क्लीन शीट दर्ज की।

## न्यूज ब्रीफ

### साल्ट आईपीएल प्लेआफ के लिए वापसी करेंगे आरसीबी को मिली राहत

बेंगलुरु। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आक्रामक बल्लेबाज फिल साल्ट अब चोट से उबर गये हैं और प्लेआफ मुकाबलों के लिए वापसी करने जा रहे हैं। साल्ट की वापसी की उम्मीद से आसीबी के खेमे में उत्साह का माहौल है। साल्ट टीम के लिए इसलिए बेहद अहम है क्योंकि वह सलामी बल्लेबाज के तौर पर टीम को तेज शुरुआत देते हैं। लीग के शुरुआती मैचों के दौरान ही उंगली की चोट के कारण वह इलाज के लिए इंग्लैंड लौट गये थे पर अब वह दौरान में शामिल होने जा रहे हैं। आरसीबी प्लेआफ में पहुंच गयी है और ऐसे में उसे अब साल्ट जैसे बल्लेबाज की जरुरत है। नाकआउट चरण के दबाव भरे मैचों में साल्ट जैसे अनुभवी खिलाड़ी का होना टीम के लिए लाभदायक रहेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार साल्ट इस सप्ताह आरसीबी कैंप से जुड़ने के बाद अपनी फिटनेस पर काम करना शुरू कर देंगे। उनके प्लेआफ मुकाबलों तक पूरी तरह से मैच फिट होने की पूरी संभावना है। इस सत्र में चोटिल होने से पहले साल्ट शानदार फार्म में थे। उन्होंने लीग मे खेली गई 6 पारियों में कुल 202 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 33.66 और विध्वंसक स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा था। साल्ट ने इस सीजन में दो शानदार अर्धशतक भी लगाये थे। विराट कोहली के साथ उनकी आक्रामक जोड़ी ने आरसीबी को कई मैचों में तेज और मजबूत शुरुआत दी जिससे टीम के लिए जीत हासिल करना आसान रहा। साल्ट की नहीं होने पर इंग्लैंड के ही बल्लेबाज जैकब बेटेल को पारी की शुरुआत की जिम्मेदारी दी गयी थी पर वह असफल रहे। बेटेल ने 7 मैचों में केवल 96 रन बनाए हैं, उनका औसत 13.71 और स्ट्राइक रेट 124.67 का रहा। वहीं आरसीबी के नियमित कप्तान रजत पाटीदार की भी टीम में वापसी हुई है।

### साल 2032 तक 15 अरब डालर की हो जाएगी हर आईपीएल टीम : रिपोर्ट

मुंबई। एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की प्रत्येक टीम 2032 तक 15 अरब डालर के चौंका देने वाले मूल्यांकन तक पहुँच जाएगी, जो दुनिया की सबसे मूल्यवान स्पोर्ट्स लीग, नेशनल फुटबाल लीग (एनएफएल) को कड़ी चुनौती देगी। 2008 में अपनी स्थापना के बाद से, आईपीएल ने अभूतपूर्व वृद्धि देखी है और अब यह दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बन चुकी है, जिसने वैश्विक खेल परिदृश्य में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि आईपीएल की मौजूदा राजस्व वृद्धि दर इसे एनएफएल के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए तैयार कर रही है। जहाँ 2008 में एक आईपीएल टीम का औसत मूल्य मात्र 0.1 अरब डालर था, वहीं 2026 में यह आंकड़ा 1.8 अरब डालर तक पहुँचने का अनुमान है। यह तीव्र वृद्धि आईपीएल को मूल्यांकन के मोर्चे पर एनएफएल के साथ अंतर को काफी कम करने की स्थिति में ला रही है। तुलनात्मक रूप से, 2008 में एनएफएल फ्रैंचाइजी का औसत मूल्य 1 अरब डालर था, जो 2026 में 7.1 अरब डालर और 2032 तक 29.8 अरब डालर तक पहुँचने का अनुमान है। इसके बावजूद, आईपीएल की विकास दर बताती है कि यह दुनिया की सबसे धनी खेल लीगों में से एक बनने की राह पर है।

### केकेआर से मिली हार के बाद हार्दिक पंड्या बोले ,अगर मैं या तिलक थोड़ी देर और टिकते तो मैच जीत सकते थे

कोलकाता। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हार के बाद माना कि उनकी टीम लगभग 20 रन कम बना सकी। हार्दिक का मानना है कि अगर वह या तिलक वर्मा में से कोई एक बल्लेबाज थोड़ी देर और क्रीज पर टिक जाता, तो मुंबई के पास मुकाबला जीतने का अच्छा मौका होता। मुंबई इंडियंस की टीम पावरप्ले में ही 46 रन पर 4 विकेट गंवा चुकी थी। पूरी पारी में टीम की आठ साझेदारियों में से छह 20 रन से कम की रहीं। मुंबई ने 147 रन बनाए, जिसे केकेआर ने सात गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। मैच के बाद हार्दिक पंड्या ने कहा, हम लगभग 20 रन पीछे रह गए। पावरप्ले में हमने काफी विकेट गंवा दिए थे। अगर तिलक वर्मा या मैं थोड़ा और समय तक बल्लेबाजी करते और एक-दो अच्छी साझेदारियां हो जातीं, तो अतिरिक्त 15–20 रन मिल सकते थे। तब हमारे पास मुकाबला जीतने का अच्छा मौका होता। हार्दिक और तिलक दोनों ही मध्य ओवरों में धीमी बल्लेबाजी करते नजर आए। हार्दिक ने 27 गेंदों में 26 रन बनाए, जबकि तिलक वर्मा ने 32 गेंदों पर 20 रन की पारी खेली। आईपीएल इतिहास में यह उन पारियों में सबसे खराब स्ट्राइक रेट में से एक रहा, जब नंबर 5 और 6 के बल्लेबाजों ने कम से कम 20–20 गेंदें खेली हों।

# अफगानिस्तान सीरीज : प्रिंस, गुरनूर और हर्ष को पदार्पण का इंतजार

मुंबई

भारतीय क्रिकेट टीम में नए चेहरों को मौका दिए जाने का सिलसिला जारी है। अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के लिए जिन खिलाड़ियों को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है, उनमें प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे शामिल हैं। इन तीनों युवा प्रतिभाओं को घरेलू क्रिकेट में उनके लगातार और शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है, और अब वे अंतिम ग्यारह में जगह बनाने की उम्मीद कर रहे हैं। यह तीनों खिलाड़ी अपने प्रभावशाली लिस्ट ए रिकार्ड के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। उनकी प्रतिभा और समर्पण ने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है, और उन्हें उम्मीद है कि वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी छाप छोड़ने में सफल रहेंगे। प्रिंस यादव: दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने हाल ही में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का प्रतिनिधित्व करते हुए, उन्होंने अपनी गति और सटीकता से दिग्गज बल्लेबाजों को भी असहज किया। उन्होंने आईपीएल के उस सीज़न में 12 मैचों में 16 विकेट झटके थे। दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले प्रिंस का लिस्ट ए रिकार्ड भी बेहतरीन है, जहां उन्होंने 14 मैचों में 29 महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किए हैं। प्रिंस की आकांक्षा है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर बेहतर प्रदर्शन करें और जल्द ही विश्व कप टीम में भी जगह बना सकें। गुरनूर बराड़: पंजाब किंग्स का हिस्सा रहे दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को भी भारतीय टीम में पहला अवसर दिया गया है। आईपीएल 2026 में उन्हें केवल एक मैच खेलने का मौका मिला था, जिसमें उन्हें कोई विकेट नहीं मिला, लेकिन पंजाब के लिए घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा है। गुरनूर ने अपने 9 लिस्ट ए मैचों में 12 विकेट लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उनकी यार्कर और स्विंग गेंदें बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें पैदा करती हैं। हर्ष दुबे: 23 वर्षीय हर्ष दुबे तीसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। हर्ष एक गेंदबाजी आलराउंडर हैं, जो अपनी बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में महत्वपूर्ण बल्लेबाजी भी कर सकते हैं।

### विराट ने बताया, किन कारणों से छोड़ी थी कप्तानी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल टेस्ट कप्तानों में शामिल रहे विराट कोहली ने उन कारणों का खुलासा किया है जिनके कारण उन्होंने राष्ट्रीय टीम की कप्तानी छोड़ी थी। कोहली ने कहा कि नेतृत्व और बल्लेबाजी के लगातार दबाव ने उन्हें पूरी तरह से थका दिया था, जिसके बाद उन्हें लगा जैसे उनके पास देने के लिए कुछ नहीं बचा है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि किस तरह एक कप्तान हमेशा सवालों के घेरे में रहता है, चाहे वह जीते या हारे। कोहली ने बताया कि कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश ने उनकी सारी ऊर्जा खींच ली। उन्होंने उस असाधारण मानसिक दबाव का जिक्र किया जिसमें एक कप्तान हमेशा सवालों के घेरे में रहता है। अगर आप जीते और आपने रन नहीं बनाए तो आपसे आपके प्रदर्शन को लेकर सवाल किए जाएंगे। और अगर आपने प्रदर्शन किया और टीम नहीं जीती तब आप पर परिणामों को लेकर सवाल उठेंगे, कोहली ने स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि वह हमेशा इन दोनों चुनौतियों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करते रहे। विराट ने बताया कि वह पहले बल्लेबाजी इकाई के केंद्र बिंदु बने और फिर टीम के नेतृत्व के भी। उन्हें शुरुआत में यह अंदाजा ही नहीं हुआ कि इन दोनों भूमिकाओं का उनकी रोजमर्रा की जिंदगी पर कितना बड़ा भार पड़ेगा। मैं बहुत ज्यादा प्रेरित था कि भारतीय क्रिकेट को शिखर पर बनाए रखना है, इसलिए मैंने इस ओर ध्यान नहीं दिया, उन्होंने कहा। लेकिन जब मैंने कप्तानी छोड़ी, तब मैं पूरी तरह से खप चुका था, जैसे मेरे पास देने के लिए अब कुछ और बचा ही नहीं हो... वह भयंकर था। इस दौरान विराट कोहली ने मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर के प्रति अपने गहरे आभार को भी व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि जब वह 2021 से 2022 के बीच टेस्ट क्रिकेट में अपने करियर के एक कठिन दौर से गुजर रहे थे, तब इन दोनों ने उनका बहुत समर्थन किया। 2016 से 2019 के शानदार प्रदर्शन के बाद, कोहली का टेस्ट औसत 2021 में 28.21 और 2022 में 26.5 तक गिर गया था। हालांकि, 2023 में उन्होंने वापसी करते हुए 8 टेस्ट में 55.91 की औसत से 671 रन बनाए।

# आईपीएल 2026 : कार्तिक त्यागी पर्पल कैप की दौड़ में पांचवें स्थान पर पहुंचे, भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मुंबई इंडियंस (एमआई) जैसी बड़ी टीमों के लिए इस सीजन कोई बल्लेबाज या गेंदबाज लगातार सुर्खियों में नहीं रहा, लेकिन अब केकेआर के तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने शानदार प्रदर्शन से पर्पल कैप की रेस में बड़ी छलांग लगा दी है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में कार्तिक त्यागी ने 2 विकेट लेकर पर्पल कैप तालिका में पांचवां स्थान हासिल कर लिया। उन्होंने तिलक वर्मा का अहम विकेट लिया, जबकि पारी की आखिरी गेंद पर दीपक चाहर को आउट कर सीजन में अपने विकेटों की संख्या 18 तक पहुंचा दी। सीजन की शुरुआत में कार्तिक त्यागी का प्रदर्शन शांत रहा था, लेकिन अब वह केकेआर के लिए लगातार मैच जिताऊ गेंदबाजी कर रहे हैं। कोलकाता ने पिछले सात मुकाबलों में छह जीत दर्ज कर प्लेआफ की उम्मीदें मजबूत की हैं।

### पर्पल कैप तालिका

पर्पल कैप की सूची में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के भुवनेश्वर कुमार 24 विकेट के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं। गुजरात टाइटंस (जीटी) के कागिसो रबाडा 21 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अंशुल कंबोज 20 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि राजस्थान रायल्स (आरआर) के जोफ्रा आर्चर और कार्तिक त्यागी दोनों के 18–18 विकेट हैं। हालांकि बेहतर इकानमी रेट (9.14) के कारण आर्चर चौथे और त्यागी पांचवें स्थान पर हैं। त्यागी की इकानमी 9.42 रही है।

वहीं, केकेआर के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन ने मुंबई के खिलाफ 1 विकेट लेकर सिर्फ 13 रन दिए। उनके नाम इस सीजन 14 विकेट हैं, लेकिन 6.40 की इकानमी के साथ वह इस सीजन के सबसे किफायती गेंदबाज बने हुए हैं।

### आरेंज कैप तालिका

आरेंज कैप की दौड़ में बुधवार को कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। केकेआर के अंगकृष रघुवंशी फील्डिंग के दौरान चोटिल होने के कारण बल्लेबाजी नहीं कर सके, जबकि मुंबई इंडियंस के रयान रिकेल्टन केवल 6 रन ही बना पाए।

### गेल के का रिकार्ड तोड़ सकते हैं सूर्यवंशी : कुंबले

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आईपीएल के इस एक सत्र में सबसे अधिक छक्के लगाने का वेस्टइंडीज के बल्लेबाज क्रिस गेल का रिकार्ड तोड़ सकते हैं। वैभव ने इस सत्र में अबतक 53 छक्के लगाये हैं और उन्हें क्रिस गेल के 2012 में लगाए गए 59 छक्कों के रिकार्ड को तोड़े के लिए सात छक्के और लगाने हैं। हैरानी की बात ये है कि वैभव अभी केवल 15 साल के हैं। वैभव कितने आक्रामक तरीके से खेलते हें। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस बल्लेबाज ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में केवल 38 गेंदों मे 93 रन बना दिये थे और इस दौरान 10 छक्के लगाये थे। कुंबले ने कहा, 15 साल के इस बल्लेबाज ने इस आईपीएल सत्र में अभी तक ही 53 छक्के लगा दिए हैं जो हैरानी की बात है। एक सत्र में सबसे ज्यादा 59 छक्के लगाने के गेल के रिकार्ड को वह इसी सत्र मे तोड़ सकते हैं। कुंबले ने वैभव की तकनीकी क्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा, बहुत कम बल्लेबाज कवर के ऊपर से इतनी आसानी से छक्के मार सकते हैं पर वैभव ने कई ऐसे छक्के लगाये हैं।

# टी20 महिला विश्व कप के लिए आयरलैंड की टीम घोषित,गैबी लुईस होंगी कप्तान

नई दिल्ली

आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम ने जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के लिए गुरुवार को अपनी टीम की घोषणा कर दी है। स्टार बल्लेबाज गैबी लुईस को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। यह पहला मौका होगा जब वह किसी वैश्विक टूर्नामेंट में आयरलैंड की कप्तानी करेंगी।

हालांकि गैबी लुईस हाल ही में लगी पैर की चोट से उबर रही हैं, जिसके कारण उन्हें पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टी20 त्रिकोणीय सीरीज से आराम दिया गया है। यह सीरीज क्लानटार्फ में खेली जाएगी।

गैबी की अनुपस्थिति में आर्ला प्रेंडरगास्ट त्रिकोणीय सीरीज में टीम की कप्तानी करेंगी। विश्व कप के लिए उन्हें उपकप्तान भी बनाया गया है।

टीम संयोजन की बात करें तो तेज गेंदबाज जेन मैग्वायर चोट के कारण चयन से बाहर हो गई हैं। वहीं उनकी बहन और बाएं हाथ की स्पिनर एमी मैग्वायर चोट से वापसी करते हुए दोनों टीमों में शामिल की गई हैं।

विश्व कप के लिए आयरलैंड को इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, स्काटलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के साथ ग्रुप में रखा गया है। आयरलैंड अपनी विश्व कप अभियान की शुरुआत स्काटलैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में करेगा।

टी20 प्रारूप में आयरलैंड की रैंकिंग नौवीं है। गैबी लुईस टीम की सबसे अहम बल्लेबाज मानी जा रही हैं। वह आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर हैं। नेपाल में आयोजित टी20 विश्व कप क्वालीफायर में उन्होंने सात पारियों में 276 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाए थे।

आर्ला प्रेंडरगास्ट महिला टी20 आलराउंडर रैंकिंग में सातवें स्थान पर हैं, जबकि एमी हंटर बल्लेबाजी रैंकिंग में 29वें स्थान पर मौजूद हैं।

**महिला टी20 विश्व कप के लिए आयरलैंड टीम:**

गैबी लुईस (कप्तान), आर्ला प्रेंडरगास्ट (उपकप्तान), एवा कैनिंग, क्रिस्टिना कूल्टर रीली, अलाना डैलजेल, लारा डेलानी, जार्जिना डेम्पसी, एमी हंटर, आर्लीन केली, लुईस लिटिल, एमी मैग्वायर, लारा मैकब्राइड, कारा मरे, लिया पाल और रेबेका स्टोकल।

**पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के लिए आयरलैंड टीम:**

आर्ला प्रेंडरगास्ट (कप्तान), एवा कैनिंग, क्रिस्टिना कूल्टर रीली, अलाना डैलजेल, लारा डेलानी, जार्जिना डेम्पसी, एमी हंटर, आर्लीन केली, लुईस लिटिल, एमी मैग्वायर, लारा मैकब्राइड, कारा मरे, लिया पाल और रेबेका स्टोकल।

# फ्रेंच ओपन 2026 : 24 मई से रोलां गैरोस में शुरु होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली

**फ्रेंच ओपन 2026 के सिंगल्स मुकाबलों को पेरिस में आयोजित किया जाएगा। इस साल फ्रेंच ओपन 24 मई से 7 जून तक रोलां गैरोस में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के ड्रा समारोह का सीधा प्रसारण फ्रेंच ओपन के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर देखा जा सकेगा। भारत में टूर्नामेंट का प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग सोनी लिव और फैनकोड पर उपलब्ध रहेगी।**

इस बार फ्रेंच ओपन की कुल इनामी राशि में 9.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। कुल पुरस्कार राशि 6 करोड़ 17 लाख यूरो से अधिक रखी गई है। पुरुष और महिला एकल वर्ग के विजेताओं को 28 लाख यूरो की पुरस्कार राशि मिलेगी।

### एकल वर्ग में रैंकिंग अंक

**पुरुष एकल**

- विजेता – 2000 अंक
- उपविजेता – 1300 अंक
- सेमीफाइनल – 800 अंक
- क्वार्टर फाइनल – 400 अंक
- चौथा दौर – 200 अंक
- तीसरा दौर – 100 अंक
- दूसरा दौर – 50 अंक
- पहला दौर – 10 अंक

**महिला एकल**

- विजेता – 2000 अंक
- उपविजेता – 1300 अंक
- सेमीफाइनल – 780 अंक
- क्वार्टर फाइनल – 430 अंक
- चौथा दौर – 240 अंक
- तीसरा दौर – 130 अंक
- दूसरा दौर – 70 अंक
- पहला दौर – 10 अंक

### डबल्स वर्ग में रैंकिंग अंक

**पुरुष युगल**

- विजेता – 2000 अंक
- उपविजेता – 1200 अंक
- सेमीफाइनल – 720 अंक
- क्वार्टर फाइनल – 360 अंक

**महिला युगल**

- विजेता – 2000 अंक
- उपविजेता – 1300 अंक
- सेमीफाइनल – 780 अंक
- क्वार्टर फाइनल – 430 अंक

इस बार पुरुष एकल वर्ग के मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्कराज चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। स्पेनिश स्टार को कलाई में चोट लगी है।

महिला एकल वर्ग में अमेरिका की कोको गाफ गत चैंपियन हैं।

पुरुष युगल में पिछले साल स्पेन के मार्सेल ग्रेनोलेर्स और अर्जेंटीना के होरेसियो जेबालोस ने खिताब जीता था।

महिला युगल में इटली की जोड़ी जैस्मिन पाओलिनी और सारा एरानी चैंपियन रही थी। सारा एरानी ने मिश्रित युगल का खिताब भी अपने हमवतन आंद्रेआ वावासोरी के साथ जीता था।

व्हीलचेयर वर्ग में ग्रेट ब्रिटेन के अल्फी हेवेट और जापान की यूई कामिजी ने क्रमश: पुरुष और महिला एकल खिताब अपने नाम किए थे।

# इस तरह कम करें कोलेस्ट्रॉल

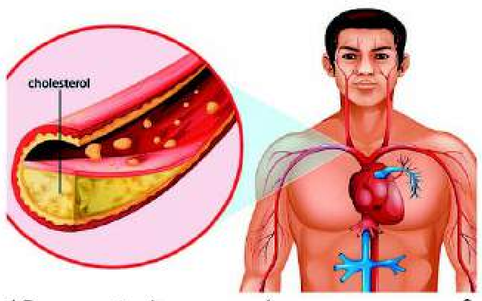


मेडिकल साइंस के इस तथ्य से आप शायद अवगत ही होंगी कि ब्लड में कोलेस्ट्रॉल के स्तर के बढ़ने से हाई ब्लडप्रेशर और और अन्य हृदय रोगों के होने का जोखिम बढ़ जाता है, लेकिन कुछ बातों पर अमल करके आप बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर इसे नियंत्रित कर सकती हैं..

## अनहेल्दी फैट से दूर

अनहेल्दी फूड के स्थान पर अपने खानपान में साबुत अनाज, ताजे फल और सब्जियां, फिश, ऑलिव ऑयल, लहसुन, बादाम और अखरोट को शामिल करें।

## कॉफी कम

क्या आपको पता है कि प्रतिदिन तीन से छह कप कॉफी पीने से आपके कोलेस्ट्रॉल में आठ से 10 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

## एक्सरसाइज है गुड

हफ्ते में एरोबिक एक्सरसाइज के 30 मिनट के चार सेशन से आपके हाई-डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एचडीएल) के स्तर में इजाफा होगा। एचडीएल को गुड कोलेस्ट्रॉल भी कहा जाता है।

## वजन पर नियंत्रण

वजन अधिक होने या मोटापे से ग्रस्त होने से आपके कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी बढ़ जाता है। इसलिए समय-समय पर अपना वजन चेक करती रहें।

## ओम शांति शांति

शोधकर्ताओं के अनुसार तनाव व दबाव की स्थितियों में जो लोग शत्रुतापूर्ण या आक्रामक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं, उनका एचडीएल स्तर कम होता है। वहीं जो लोग विपरीत स्थितियों में अपने क्रोध को नियंत्रित करने में सक्षम होते हैं, उनका एचडीएल स्तर ऊंचा रहता है।

## सेम और दाल भी घटाते है कोलेस्ट्रॉल

दिन में कम से कम एक बार भोजन में सेम, मटर या दाल खाने से कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण में रहता है और हृदय की बीमारियों का खतरा कम होता है। सेंट माइकल हॉस्पीटल के चिकित्सक सिवेनपाइपर ने कहा कि दिन में एक समय भोजन में दाल खाने से पांच प्रतिशत तक कोलेस्ट्रॉल कम होता है। भोजन में दाल को शामिल करना हृदय के लिए फायदेमंद रहता है। इससे दिल की बीमारियों का खतरा पांच से छह प्रतिशत तक कम होता है। दालों में ग्लाइसेमिक इंडेक्स (पाचन क्रिया के दौरान भोजन सामग्री का टूटना) का स्तर अपेक्षाकृत कम होता है और इनमें अतिरिक्त प्रोटीन और कोलेस्ट्रॉल को घटाने की क्षमता होती है। सिवेनपाइपर ने मेटा एनालाइसिस समीक्षा के तहत 1,037 लोगों पर अध्ययन किया। अध्ययन में पता चला कि पुरुषों में एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का स्तर महिलाओं की अपेक्षा कम होता है। इसका कारण महिलाओं का खान-पान में उचित ध्यान न देना हो सकता है। यह अध्ययन पत्रिका कैनेडियन मेडिकल एसोसिएशन में प्रकाशित हुई है।

## पेनकिलर है हानिकारक

जीवन में बहुत बार ऐसे अवसर आते हैं जब हमें पेनकिलर दवाओं का सेवन करना पड़ता है। विशेषत आस्टियो-आर्थराइटिस के मरीजों को अधिक मात्रा में पेनकिलर दवाओं का सेवन करने की आदत हो जाती है। ऐसे मरीजों को यदि हृदय रोग भी हो तो ये दवाएं उनके लिए बहुत खतरनाक हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त अधिक मात्रा में या पेनकिलर का अधिक सेवन हमारे गुर्दों को क्षतिग्रस्त कर सकता है।

## दिल की बीमारियों से दूर रखता है अखरोट

हालिया शोध में पता चला है कि रोजाना अखरोट खाने से डायबिटीज और दिल की बीमारियों का खतरा काफी कम हो जाता है। कनेक्टिकट स्थित येल ग्रिफिन प्रिवेंशन रिसर्च सेंटर के शोधकर्ताओं के मुताबिक, रोज 56 ग्राम अखरोट के सेवन से अधिक वजन वाले वयस्कों के शरीर की आंतरिक प्रक्रिया में सुधार आता है। इस शोध में 30 से 75 साल के 46 वयस्कों को शामिल किया गया था।

# स्वस्थ शरीर है सबसे बड़ा खजाना!

आधुनिक जीवन शैली की तेज रफ्तार एवं भागदौड़ भरी जिंदगी में सेहत का विषय बहुत पीछे रह गया है और नतीजा यह निकला की आज हम युवावस्था में ही ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग, कोलेस्ट्रोल, मोटापा, गठिया, थायरॉइड जैसे रोगों से पीड़ित होने लगे हैं जो कि पहले प्रोढ़ावस्था एवं व्रद्धावस्था में होते थे और इसकी सबसे बड़ी वजह है खान पान और रहन सहन की गलत आदतें, आओ हम सेहत के इन् नियमों का पालन करके खुद भी स्वस्थ रहे तथा परिवार को भी स्वस्थ रखते हुए अन्य लोगों को भी अच्छे स्वास्थय के लिए जागरूक करें ताकि एक स्वस्थ एवं मजबूत समाज और देश का निर्माण हो,क्योंकि कहा भी गया है-पहला सुख निरोगी काया।

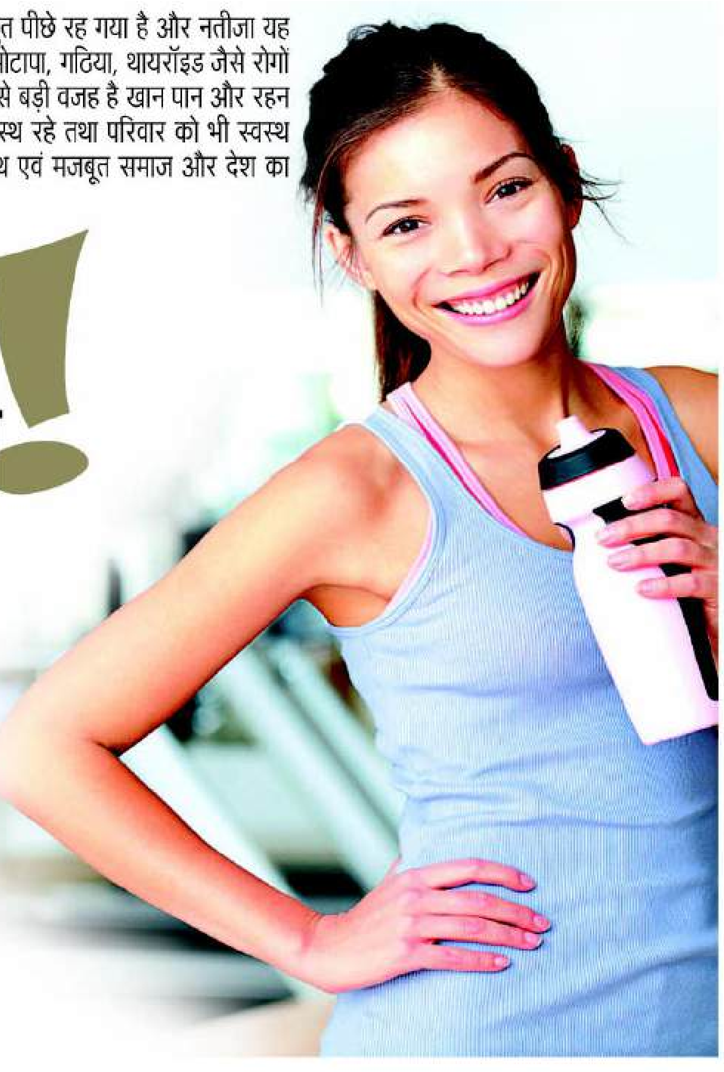

## भोजन हो संतुलित

घी, तैल से बनी चीजें जैसे पूड़ी,परांठे,छोले भटूरे,समोसे कचौड़ी, जंक फूड, चाय,कॉफी ,कोल्ड ड्रिंक का ज्यादा सेवन सेहत के लिए घातक है इनका अधिक मात्रा में नियमित सेवन ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रोल, मधुमेह, मोटापा एवं हार्ट डिजीज का कारण बनता है तथा पेट में गैस,अल्सर, ऐसीडिटी, बार बार दस्त लगना, लीवर खराब होना जैसी तकलीफें होने लगती हैं इनकी बजाय खाने में हरी सब्जियां, मौसमी फल, दूध, दही, छाछ , अंकुरित अनाज और सलाद को शामिल करना चाहिए जो की विटामिन,खनिज लवण,फाइबर,एव जीवनीय तत्वों से भरपूर होते हैं और शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। चीनी एवं नमक का अधिक मात्रा मे सेवन ना करें,ये डायबिटीज,ब्लड प्रेशर,हृदय रोगों का कारण है । बादाम, किशमिश, अंजीर, अखरोट आदि मेवा सेहत के लिए बहुत लाभकारी होते हैं इनका सेवन अवश्य करें पानी एवं अन्य लिक्विड जैसे फलों का ताजा जूस,दूध,दही,छाछ,नीबू पानी,नारियल पानी का खूब सेवन करें,इनसे शरीर में पानी की कमी नहीं हो पाती,शरीर की त्वचा एवं चेहरे पर चमक आती है,तथा शरीर की गंदगी पसीने और पेशाब के दवारा बाहर निकल जाती है।

## व्यायाम का करें नियमित अभ्यास

सूर्योदय से पहले उठकर पार्क जाएं,हरी घास पर नंगे पैर घूमें, दौड़ लगाएं, वाक करें, योगा, प्राणायाम करें, इन उपायों से शरीर से पसीना निकलता है,मांस पेशियों को ताकत मिलती है,शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है, अनेक शारीरिक एवं मानसिक रोगों से बचाव होता है,पूरे दिन भर बदन में चुस्ती फुर्ती रहती है,भूख अच्छी लगती है इसलिए नियमित रूप से व्यायाम अवश्य करें।

## गहरी नींद भी है जरुरी

शरीर एवं मन को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन लगभग 7 घंटे की गहरी नींद एक वयस्क के लिए जरुरी है,लगातार नींद पूरी ना होना तथा बार बार नींद खुलना,अनेक बीमारियों का कारण बनता है।

## नींद भी है जरूरी

नेब्रस्का लिंकन विश्वविद्यालय के शोधर्कताओं ने पाया है कि ठीक से सो नहीं पाने के कारण आपका रोजमर्रा का कामकाज प्रभावित हो सकता है। साथ ही ज्यादा खाना खाने की प्रवृत्ति पनप सकती है। यह बच्चे और वयस्क, दोनों पर लागू होता है। वहीं नींद खराब होने के बाद, हार्मोन कंट्रोलिंग सिस्टम भी प्रभावित होता है, इससे भावनात्मक तनाव बढ़ जाता है, और अधिक भोजन, ऊर्जा की कमी को पूरा करने में सक्षम नहीं है। दिन में जो भी आप खाते हैं यह सभी कारक भोजन की मात्रा को प्रभावित करते हैं। नेब्रस्का लिंकन विश्वविद्यालय के शोधकर्ता एलिसा-लिंकन और टीमोथी डी नेल्सन का कहना है कि डॉक्टरों को नींद और खाने के प्रति जागरूक होना चाहिए। नींद सक्रिय रूप से आहार-व्यवहार को बदल देती है। इस पर विचार किया जाना चाहिए। मोटापे से मधुमेह, ह्रदय रोग जैसी घातक बीमारी होने का खतरा बना रहता है। दूसरी ओर, इस बारे में लेखक का कहना है कि अत्यधिक भोजन करना व बाधित नींद को समझना अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भोजन का सेवन जैविक, संज्ञात्मक, भावनात्मक और पर्यावरणीय कारकों से प्रेरित है। इसमें लुंथल और नेल्सन का तर्क है कि इन कारकों से सोने की प्रवृत्ति प्रभावित है। नींद प्रभावित होने के चलते वयस्कों और बच्चों दोनों का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि लोग इसके लिए जागरूक हों, उन्हें खाने की गुणवत्ता और मात्रा का भी ख्याल रखना चाहिए। यह शोधपत्र एक समाचार पत्र में प्रकाशित हुआ है।

## ये उपाय करें

सोने का कमरा साफ सुथरा,शांत एवं एकांत में होना चाहिए,रात को अधिकतम 10-11 बजे तक सो जाना और सुबह 5-6 बजे तक उठ जाना स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है,सोने से पहले शवासन करने से अच्छी नींद आती है,खाना सोने से 2-3 घंटे पहले कर लेना चाहिए एवं शाम को खाना खाने के बाद 20-25 मिनट अवश्य घूमें।

## नशे से रहें बच के

युवा पीढ़ी के लिए कोई सबसे खतरनाक बीमारी है तो वो है नशे के जाल में फँसना,शराब,धूम्रपान,तम्बाकू ये सब सेहत के दुश्मन हैं,किसी भी स्थिति में नशे की लत से बचें,यदि नशे से बचे हुए हैं तो बहुत अच्छा किन्तु,यदि कोई नशा करते हैं तो जितनी जल्दी नशे से दुरी बना लें उतना ही अच्छा है,ये ऐसी बीमारी है जो कैंसर और एड्स से भी ज्यादा खतरनाक है और एकसाथ कई परिवारों को बर्बाद करती है तथा शारीरिक,मानसिक,आर्थिक एवं सामाजिक प्रतिष्ठा के नाश का कारण बनती है, इसलिए नशे से बचना ही बेहतर उपाय है।

## टेंशन को कहें बाय बाय

रोज मर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्यों के लिए चिंतन करना सही है चिंता करना नहीं,चिता तो फिर भी मरने के बाद शरीर को जलाती है किन्तु लगातार अनावश्यक चिंता जीते जी शरीर को जला देती है इसलिए तनाव होने पर भाई,बंधू एवं विश्वास पात्र मित्रों से सलाह मश्वरा करें यदि समस्या फिर भी ना सुलझे तो विशेषज्ञ से राय लें।

# बीमारी से बेहतर है बचाव

**कहते हैं** कि बीमारी से बेहतर है बचाव। दिल को स्वस्थ रखने के संदर्भ में कुछ सुझावों पर अमल करें..

- नियमित रूप से अपने शरीर की क्षमता के अनुसार व्यायाम करें। व्यायाम भी दिल को सेहतमंद रखने में कारगर हैं।
- डॉक्टर से परामर्श लेकर आप कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम भी कर सकते हैं।
- टहलना भी अच्छा व्यायाम है। शरीर की क्षमता के मद्देनजर नियमित रूप से टहलें।
- जो लोग पहले से ही डाइबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर से ग्रस्त हैं, उनमें हृदय संबंधी समस्याएं होने का खतरा कहीं ज्यादा होता है। इसलिए डाइबिटीज से ग्रस्त लोगों को नियमित रूप से अपने ब्लड शुगर की जांच करनी चाहिए। इसी तरह हृदय रोगों से ग्रस्त लोगों को भी ब्लडप्रेशर चेक करते या कराते रहना चाहिए।
- अगर ब्लडशुगर और ब्लड प्रेशर अनियंत्रित है, तो शीघ्र ही अपने डॉक्टर से परामर्श लें।
- डॉक्टर से परामर्श लेकर एक अंतराल पर रक्त में कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच कराते रहें।
- तंबाकू का सेवन न करें।
- अत्यधिक नमकीन खाद्य पदार्थों को खाने से परहेज करें। नमक कम मात्रा में लें।

## तेल का महत्व

लोगों को खाने के तेल पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। अगर सही प्रकार और सही मात्रा में तेल का इस्तेमाल किया जाए, तो दिल संबंधी बीमारियों को रोकने में मदद मिलती है। इस संदर्भ में राइस ब्रैन तेल अत्यंत लाभप्रद है। इस तेल को चावल के भूसे में से निकाला जाता है। इसके अलावा सरसों का तेल, जैतून और सोयाबीन का तेल भी दिल की सेहत के लिए लाभप्रद है।

## वजन कम करना है तो खाइए फ्रोजन फूड

**वजन कम करना** चाहते हैं तो अपने फ्रीज में झांक कर देखिए। डॉक्टरों का कहना है कि फ्रोजन फूड खान से मोटापे को कम करने में मदद मिलती है। विशेषज्ञों का दावा है कि कम कैलोरी का फ्रोजन फूड खाने से कमर को फैलने से रोका जा सकता है क्योंकि इस प्रकार का भोजन कैलोरी के हिसाब से नियंत्रित होता है । लोयोला यूनिवर्सिटी हेल्थ सिस्टम में पोषाहार और वजन नियंत्रण प्रबंधन की विशेषज्ञ जेसिका बार्टफील्ड ने बताया, 'कम कलौरी के भोजन से नियंत्रित मात्रा में कलौरी ली जाती है जिससे वजन को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।' बार्टफील्ड का कहना है कि अधिकतर लोग कम कलौरी का भोजन लेते हैं जो प्रतिदिन 1000 से 1800 कैलोरी प्रतिदिन होता है। यह वजन, उम्र, कद और लिंग पर निर्भर करता है।

# प्रार्थना से भी दूर होता है तनाव

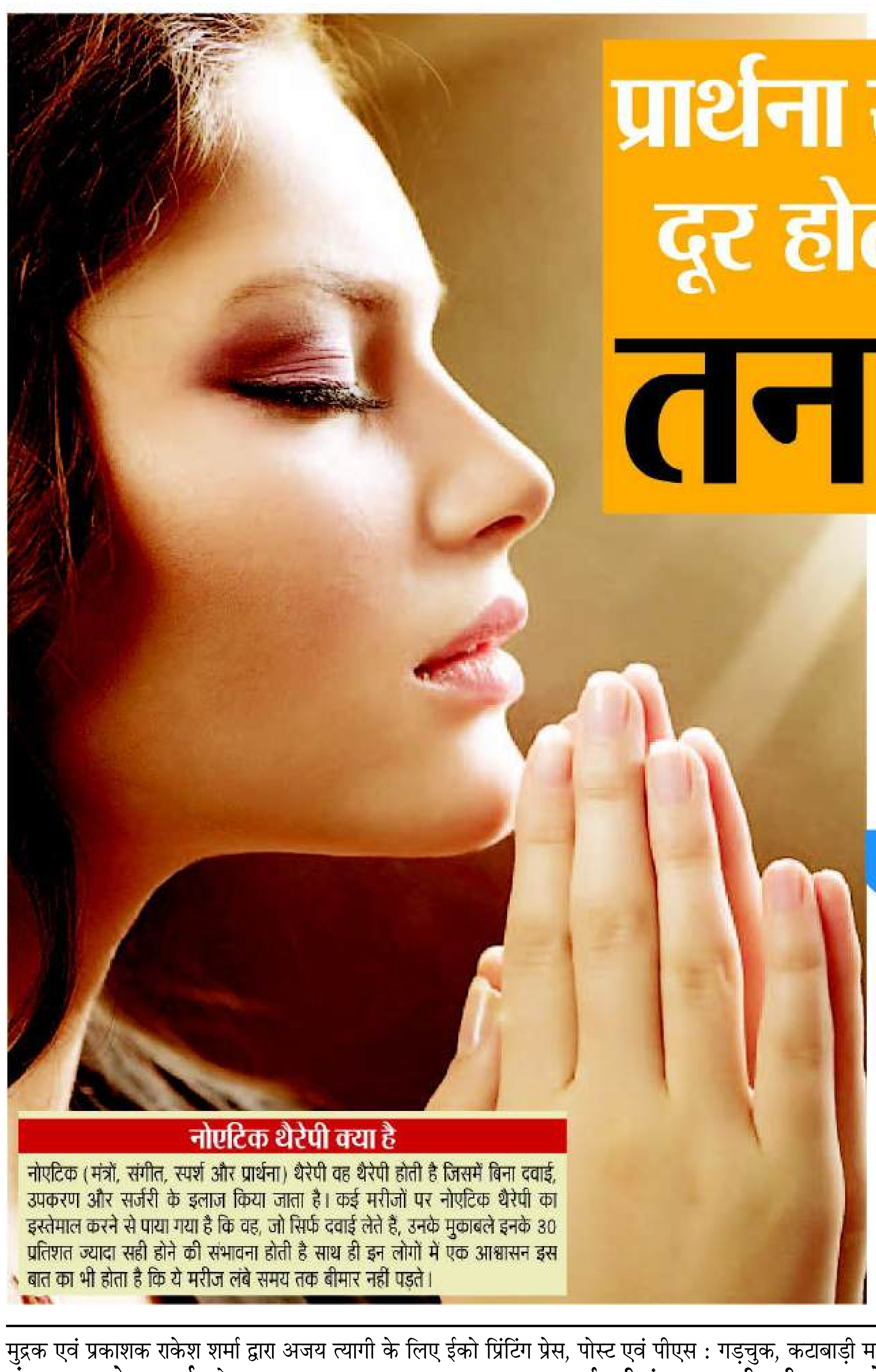

### नोएटिक थैरेपी क्या है

नोएटिक (मंत्रों, संगीत, स्पर्श और प्रार्थना) थैरेपी वह थैरेपी होती है जिसमें बिना दवाई, उपकरण और सर्जरी के इलाज किया जाता है। कई मरीजों पर नोएटिक थैरेपी का इस्तेमाल करने से पाया गया है कि वह, जो सिर्फ दवाई लेते है, उनके मुकाबले इनके 30 प्रतिशत ज्यादा सही होने की संभावना होती है साथ ही इन लोगों मे एक आश्वासन इस बात का भी होता है कि ये मरीज लंबे समय तक बीमार नहीं पड़ते।

**तनाव** से निपटने के लिए आप क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम से लेकर डॉक्टररी सलाह तक। लेकिन, इन सबके अलावा भी एक अन्य उपाय है। जो आसान होने के साथ-साथ बेहद कारगर भी है और वो है प्रार्थना। आपने कभी तनाव करने के लिए प्रार्थना का सहारा लिया है। जी, प्रार्थना से न सिर्फ तनाव का स्तर कम होता है, बल्कि यह कई बीमारियों से बचाने में भी मददगार साबित होती है।

एक शोध के मुताबिक प्रार्थना मन के साथ-साथ शरीर को भी स्वस्था रखती है। साथ ही इससे उम्र में भी इजाफा होता है। यही नहीं प्रार्थना करने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुए इस शोध में पाया गया कि धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों में कई तरह की बीमारियां होने की आशंका भी कम होती है।

## जीवनशैली पर पूजा का प्रभाव

नियमित रुप से पूजा और प्रार्थना करने से मन में सकारात्क ऊर्जा बढ़ती है। और प्रार्थन करने वाला व्यक्ति भीतर से अच्छा और बेहतर महससू करता है। इससे जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। आजकल अनियमित जीवनशैली कई रोगों की मुख्य वजह है। जब आप पूजा व प्रार्थना को अपने जीवन में एक आदत के तौर पर शामिल करते हैं तो निश्चित ही आप अपने अंदर अच्छा बदलाव महसूस करेंगे। विशेषज्ञों की मानें तो पूजा और संगीत व्यक्ति में बढ़ रहे दबाव का स्तर कम करते हैं। इसका मतलब है ये गतिविधियां जीवन में संतुलन बनाए रखती हैं। प्रार्थना का सकारात्मक प्रभाव देखने के लिए जरूरी है कि उसे दिल से किया जाए। नियमित योग करने वाले लोग जो हमेशा फिट रहते हैं वह भी एक किस्म की पूजा प्रार्थना ही कर रहे होते हैं।

## प्रार्थना के अन्य लाभ

- प्रार्थना करने से मन स्थिर और शांत रहता है। क्रोध पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।
- इससे स्मरण शक्ति और चेहरे की चमक बढ़ती है।
- प्रार्थना से मन में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है, जिससे मन निरोगी बनता है।
- शोध में पाया गया है नियमित तौर पर ईश्वर का ध्यान करने और प्रार्थना करने से रक्त संचार दुरुस्त रहता है।
- सामूहिक तौर पर प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में एकता का भाव बढ़ता है और अकेलापन दूर होता है।
- धार्मिक स्थल तक पैदल चल कर जाने से व्यायाम भी हो जाता है।
- प्रतिदिन प्रार्थना करने से व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है, जिससे एकाग्रता आती है।

# रेसिपी

## रवा केसरी

### सामग्री

1/2 कप रवा (सूजी), 2 टेबल स्पून घी, डेढ कप दूध, 10-12 किशमिश, 4-10 कटे हुए बादाम, 1/4 टी स्पून छोटी इलायची पाउडर, कुछ धागे केसर के 1 टेबल स्पून पानी में भीगे हुए, स्वादानुसार चीनी।

### विधि

एक कड़ाही में घी डालकर गर्म करें और रवा डालकर सुनहरा होने तक भूनें। डेढ़ कप पानी के साथ दूध मिलाएं और एक उबाल दें। फिर उसे भूने हुए रवा (सूजी) में मिलाकर गाढ़ा होने तक पकाएं। किशमिश, बादाम, केसर, इलायची पाउडर और चीनी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। गरमागरम सर्व करें।

**कितने लोगों के लिए : 4**

## गवारफली की सब्जी

### सामग्री

300 ग्राम गवार की फली, 1/2 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन, 1 चुटकी हींग, 1/4 छोटा चम्मच हल्दी पिसी हुई, नमक 1 छोटा चम्मच (या स्वादानुसार), 1/2 छोटा चम्मच पिसी हुई लाल मिर्च, छोटा चम्मच धनिया पिसा हुआ, 1/2 छोटा चम्मच अमचुर, तेल डेढ़ बड़ा चम्मच

### विधि

गवार की फली के किनारे निकालकर, अगर इसमें कोई धागा है तो वो भी निकाल दें, अच्छी तरह धो लें और एक साफ कपड़े से इसका पानी पोंछ लें। फली को इच्छानुसार छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें। एक कड़ाही में मध्यम आंच पर तेल गरम करें। इसमें जीरा और अजवाइन डालें, कुछ देर के लिए भूनें और फिर हींग डालें। आंच को धीमा करके हल्दी डालें और फिर गवार के टुकड़े डाल दें। इस सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। नमक, लाल मिर्च और धनिया पाउडर डालें, और फिर से सब्जी को एक मिनट के लिए चलाएं। गवार के गलने तक ढक कर पकाएं। इसमें लगभग 12-15 मिनट का समय लगता है। जब सब्जी गल जाए तो इसमें अमचूर डालकर सब्जी को दो मिनट के लिए भूनें। रोटी, पूरी, पराठा या फिर दाल चावल किसी के भी साथ गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**